संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 271
पृष्ठ 8
रविवार
21 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बालों में तेल लगाना हर किसी...
विचार- सिकल सेल रोग: विश्व सिकल दिवस..
खेल- नीरज पदक से चूके, चौथे स्थान पर...

राजकीय मेडिकल कॉलेज सहित 1766 करोड़ की 221 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

कांग्रेस व सपा सरकारों ने ललितपुर को 1500 करोड़ भी नहीं दिए होंगे-योगी

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ललितपुर को आज एक साथ 1500 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात मिल रही है। कांग्रेस ने पांच दशक और सपा ने चार बार प्रदेश में शासन किया, लेकिन इन दलों ने कुल मिलाकर 1500 करोड़ रुपये भी ललितपुर को नहीं दिए होंगे, क्योंकि उनमें विकास की सोच नहीं थी। सपा के लिए सैफई ही परिवार था और कांग्रेस के लिए दिल्ली का परिवार ही देश था। दोनों इससे बाहर नहीं निकल सकते। हमारे लिए 25 करोड़ जनता ही परिवार है और उसे विकास, सुरक्षा, सम्मान देना हमारा दायित्व है। मुख्यमंत्री शनिवार को तुवन मंदिर मैदान में राजकीय मेडिकल कॉलेज सहित 1766 करोड़ रुपये की 221 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर ललितपुर की विकास यात्रा पर लघु फिल्म भी दिखाई गई। सीएम ने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विख्यात बुंदेलखंड के सुंदरतम जनपदों में से एक ललितपुर हमारे हृदय में बसता है। सीएम ने कार्यक्रम में उपस्थित जनता का अभिनंदन करते हुए आश्वासन दिया कि डबल इंजन सरकार यहां के विकास के लिए हरसंभव कदम उठाएगी।सीएम ने कांग्रेस व सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि संकुचित सोच वाली इनकी सरकारों ने हर जनपद में एक–एक माफिया दिया था, जो जनता की गाढ़ी कमाई पर डकैती डालने के साथ अवैध खनन, वनों की अवैध कटान, गोतस्करी करते थे। प्रदेश को बंजर बनाते थे। इन लोगों ने यूपी को बीमारू बनाकर बुंदेलखंड के नौजवानों को पलायन पर मजबूर किया। बहन–बेटियों को कष्ट दिया था, लेकिन आज ललितपुर की बेटियां व नौजवान यूपी पुलिस समेत सरकारी नौकरियों में भर्ती होते हैं। पिछली सरकारों की उपेक्षा का दंश झेलने वाला ललितपुर विकास की योजनाओं से कोसों दूर था। सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास परियोजनाएं नहीं थीं। पानी होने के बावजूद खेती के लिए सिंचाई, गरीब के लिए आवास की सुविधा नहीं थी। मिट्टी के घड़े में पानी ढोते–ढोते माता–बहनों की जिंदगी व्यतीत हो जाती थी। यहां के संसाधनों व वन संपदा में लूट होती थी और मुट्ठी भर लोग अवैध खनन कर अव्यवस्था पैदा करते थे। ललितपुर अब विकास की ऊंचाइयों को प्राप्त

कर नवाचार के लिए जाना जा रहा है। प्रदेश की पहली गोशाला देकर ललितपुर ने बताया था कि सरकार भी गोशाला का संचालन कर सकती है। तुवन सरकार की कृपा से तत्कालीन जिला प्रशासन ने पहली गोशाला प्रारंभ की थी। अब वहां से कंपोस्ट का निर्यात अन्य देशों को होने जा रहा है। अब ललितपुर के पास मेडिकल कॉलेज, अटल आवासीय विद्यालय भी है। 1500 एकड़ में यूपी का पहला फार्मा पार्क ललितपुर में बनेगा, इसकी तैयारी हो चुकी है। इससे हजारों नौजवानों को नौकरी मिलेगी। अब बहन–बेटियां, माताएं सिर पर घड़ा लेकर नहीं जातीं, क्योंकि बुंदेलखंड में हर घर जल की योजना साकार हो रही है। हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंच रहा है। सीएम ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की चर्चा करते हुए कहा कि हम लोग यूपी का सबसे बड़ा औद्योगिक शहर बुंदेलखंड में बसाने जा रहे हैं। पहले यहां का युवा पलायन करता था। ठोकर से घड़ा फूट जाता था तो माताएं–बहनें किस्मत पर रोती थीं। आपके पूर्वजों ने बुंदेलखंड को सजाया–संवारा था, लेकिन पिछली सरकारों के निकम्मेपन और माफियावृत्ति के कारण बुंदेलखंड पिछड़ा था। सरकार ने बुंदेलखंड को भी डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के हब के रूप में विकसित करने की बात कही थी। अभी इस कॉरिडोर में यूपी के अंदर ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है। ऑपरेशन सिंदूर में जब यह मिसाइल दागी गई तो पाकिस्तान त्राहिमाम करते हुए जान की भीख मांग रहा था। पीएम मोदी नए भारत को ताकत दे रहे हैं। समग्र विकास का कोई विकल्प नहीं हो सकता। अच्छा कार्य तब होता है, जब अच्छी सरकार आती है। अच्छी सरकार तब आती हैं, जब अच्छे विधायक–सांसद चुने जाते हैं। सीएम ने मन्नू कोरी व रामरतन कुशवाहा को ईमानदार, मेहनती तथा जनसेवा के प्रति पूरी तरह समर्पति बताते हुए कहा कि वे दिन–रात काम करते हैं। हमने उनसे कहा है कि मेहनत से जनता की सेवा करिए। अमेरिका–ईरान युद्ध में दुनिया में ईंधन आपूर्ति बाधित हुई तो अमेरिका किंकर्तव्यविमूढ़ जैसी स्थिति में था।

पेरियार नदी की सफाई के लिए एकीकृत प्राधिकरण जरूरी, केरल हाईकोर्ट ने कहा- लाखों लोगों की जिंदगी दांव पर

कोच्चि (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने पेरियार नदी की बढ़ती प्रदूषण समस्या पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि नदी की स्वच्छता और संरक्षण की निगरानी के लिए एक एकीकृत (यूनिफाइड) प्राधिकरण का गठन बेहद जरूरी है। अदालत ने कहा कि इस नदी पर लाखों लोगों का जीवन निर्भर है और

हालात बिगड़ने का इंतजार नहीं किया जा सकता। मुख्य न्यायाधीश सौमेन सेन और न्यायमूर्ति श्याम कुमार वी.एम. की खंडपीठ ने कहा कि पेरियार नदी के महत्व को देखते हुए इसके लिए एक समन्वित निगरानी व्यवस्था की आवश्यकता पर किसी अतिरिक्त जोर की जरूरत नहीं है। अदालत ने याद दिलाया कि राज्य सरकार ने सितंबर 2025 में एक श्इंटीग्रेटेड रिवर बेसिन कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट प्लानश बनाने का सुझाव दिया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा, श्लाखों लोगों की जिंदगी दांव पर लगी है और हमें किसी बड़े संकट का इंतजार नहीं करना चाहिए। सभी संबंधित पक्षों को जिम्मेदारी से काम करते हुए नदी को बचाने के लिए आवश्यक रोकथाम और सुधारात्मक कदम उठाने चाहिएश। यह टिप्पणी उस याचिका पर सुनवाई के दौरान की गई, जिसमें उद्योगों और अलुवा मार्केट से निकलने वाले अपशिष्ट एवं गंदे पानी को पेरियार नदी में डाले जाने पर रोक लगाने की मांग की गई है। केरल हाईकोर्ट ने केरल राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भी निर्देश दिया कि वह नदी प्रदूषण रोकने के लिए प्रस्तावित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित करने की नई समयसीमा प्रस्तुत करे और उसका सख्ती से पालन सुनिश्चित करे। अदालत ने कहा कि एसटीपी की स्थापना नदी से जुड़ी जैव विविधता, वनस्पतियों और जीव–जंतुओं की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

देश बाद में, प्रचार पहले : कांग्रेस ने सरकार को घेरा, कहा- ट्रंप के सामने नाविकों की मौत पर चुप रहे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों के मारे जाने का मुद्दा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने न उठाने पर नाराजगी जताई गई है।

विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार का मंत्र श्नेशन फर्स्टश नहीं, बल्कि श्पीआर फर्स्टश है यानी देश बाद में, प्रचार पहले। फ्रांस में जी–7 शिखर सम्मेलन के इतर बुधवार को मोदी और ट्रंप के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई थी। दोनों नेताओं ने वहां सार्वजनिक बयान भी दिए थे। इस बैठक को लेकर कांग्रेस के मीडिया और पब्लिसिटी विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने निशाना साधा। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि बैठक में प्रधानमंत्री मोदी अपनी नजरें नीची करके बैठे थे।

बंगाल में गरजे पीएम मोदी

दशकों के कुशासन से मुक्त हुआ प्रदेश, अब विकास का महाअभियान शुरू

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल दौरे पर पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के बैंक खातों में दो–दो हजार रुपये ट्रांसफर किए। इसके बाद अपने संबोधन के दौरान उन्होंने राज्य में सत्ता परिवर्तन को रेखांकित किया। पीएम मोदी ने बंगाल के तारकेश्वर में आयोजित इस कार्यक्रम में कहा कि श्पश्चिम बंगाल दिवसश के मौके पर मैं लोगों को बधाई और शुभकामनाएं देना चाहता हूं।

प्रधानमंत्री ने बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने पर खुशी भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि बंगाल की हवा में एक नई ताजगी है, मानो राज्य अब बेड़ियों से आजाद हो गया हो। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने बंगाल के विकास के लिए बहुत तेजी से काम करना शुरू कर चुकी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, श्गुलामी के दौर में हमारे बंगाल ने क्या कुछ नहीं सहा, कितने बलिदान दिए, कितने त्याग सहे, 1946 में कोलकाता में हिंसा हुई थी, तब कितने निर्दोष बंगाली लोग उसकी भेंट चढ़ गए। बंगाल ने रक्तपात सहा, अपनों को खोया, अपनी मातृभूमि के टुकड़े होते देखे, लेकिन बंगाल ने अपनी अस्मिता और पहचान को नष्ट नहीं होने दिया। इसी का परिणाम था कि जब पूरे बंगाल को भारत से अलग करने की साजिश हो रही थी तब अलग पश्चिम बंगाल बनाकर उन मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया गया। पश्चिम बंगाल दिवस के रूप में हम केवल एक तारीख को याद नहीं कर रहे, बल्कि पूरे इतिहास को याद कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज की पीढ़ी को हमें बार–बार पश्चिम बंगाल दिवस की अहमियत बताने की जरूरत है। उस दौरान क्या हुआ था यह युवा पीढ़ी को जानने की जरूरत है, जब पूरे बंगाल को पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की कोशिश हो रही थी तो कांग्रेस उन षड्यंत्रकारियों के सामने घुटने टेक रही थी। यही वह समय था जब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इसके खिलाफ आवाज उठाई। अप्रैल 1947 में उन्होंने ऐतिहासिक रिसॉल्यूशन पास कराया। उन्होंने घोषणा की कि पूरा बंगाल पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगा, इसके लिए बंगाली–हिंदू होमलैंड मूवमेंट शुरू किया गया।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि जिस भावना से पश्चिम बंगाल को बचाया गया था, आजादी के बाद उसी भावना पर इसे आगे बढ़ाने की जरूरत थी। लेकिन दुर्भाग्य से ठीक इससे उलट काम हुआ। पश्चिम बंगाल दिवस और इसकी भावना को भुलाने की कोशिश हुई। सियासी एजेंडों के कारण इतिहास का व्हाइटवॉश किया गया।

12 साल पहले अक्सर बम धमाके होते थे, तत्कालीन प्रधानमंत्री चुप रहते थे : गृह मंत्री

मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नीत यूपीए सरकार के कार्यकाल में हुए आतंकी हमले का जिक्र कर पूर्ववर्ती सरकार को आड़े हाथों लिया। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान शाह ने कहा, 12 साल पहले जब सरकार थी, तब अक्सर

बम धमाके होते थे और तत्कालीन प्रधानमंत्री चुप रहते थे। अमित शाह ने कहा कि आज से 12 साल पहले देश में एक ऐसी सरकार थी, जो आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठा पाती थी। उस समय देश में जगह–जगह बम धमाके और आतंकी हमले होते थे, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पूरी तरह चुप रहते थे और कोई कड़ा फैसला नहीं लेते थे। केंद्रीय गृह मंत्री कहा कि जब साल 2014 में नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने और भाजपा की सरकार आई, तो भारत की नीति पूरी तरह बदल गई। मोदी सरकार के दौरान भी आतंकियों ने उरी, पुलवामा और पहलगाम में बड़े हमले करने की कोशिश की, लेकिन इस बार भारत चुप नहीं बैठा। भारत ने पाकिस्तान की सीमा में घुसकर जवाब दिया। सर्जिकल स्ट्राइकरू उरी हमले के बाद सेना ने सीमा पार जाकर आतंकियों के ठिकाने तबाह किए। एयरस्ट्राइकरू पुलवामा हमले के बाद वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकी कैंपों पर बम गिराए।

आम आदमी जरूरत के सामान खरीदने में असमर्थ : खरगे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने शनिवार को बढ़ती मंहगाई के कारण तेजी से घटती बचत को लेकर सरकार पर हमला बोला। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा अन्य पार्टियों से खरीदारी करने में व्यस्त है। वहीं, आम आदमी जरूरत के सामान खरीदने में

असमर्थ है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के 'अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन के कारण परिवार तबाह हो रहे हैं। एक्स पोस्ट में खरगे ने कहा, 'बढ़ती मंहगाई के कारण बचत तेजी से घट रही है। सामर्थ्य की कमी, आकांक्षाओं का टूटना, असमानता, वैश्विक विश्वसनीयता में गिरावट, युवाओं में भारी आक्रोश।' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, श्मोदी सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन के बोझ तले परिवार तबाह हो रहे हैं!श उन्होंने आगे कहा श्खुदरा मंहगाई – 16 महीनों में सबसे अधिक। खाद्य मुद्रास्फीति – 4.78:, थालियों से टमाटर गायब हो रहे हैं। चिकित्सा मुद्रास्फीति 15: से ऊपर। रुपया गड्ढों में गिर रहा है।

पूरा लेबनान जलना चाहिए, इस्राइली मंत्री के बयान पर भड़की कांग्रेस, सरकार की चुप्पी पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने शनिवार को इस्राइली मंत्री द्वारा श्पूरे लेबनान को जलाकर राख करनेश की धमकी के बाद भारत की चुप्पी पर सवाल उठाए और कहा कि इससे देश के हितों को नुकसान पहुंचता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि जहां दुनिया भर में ईरान–अमेरिका शांति समझौते का सावधानी के साथ स्वागत किया गया है, वहीं वरिष्ठ इस्राइली नेताओं के बयानों से शांति और सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है। अमेरिका–ईरान डवन, जिसका दुनिया भर में सावधानी के साथ स्वागत किया गया है, उसे कई खतरों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें सबसे बड़ा खतरा इस्राइल से है। इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री जैसे ऊंचे पद पर बैठे व्यक्ति ने अभी–अभी पूरे लेबनान को जलाकर राख करने की बात कही है।

इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री पर भारत की चुप्पी पर जयराम

रमेश ने मोदी सरकार को घेरते हुए कहा भारत की चुप्पी और केंद्र सरकार पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, श्हमेशा की तरह मोदी सरकार पूरी तरह खामोश है। इस्राइल के प्रति प्रधानमंत्री की अंधी भक्ति हमारे देश के हितों को नुकसान पहुंचा रही है, ताकि किसी तरह श्मोदानीश साम्राज्य के हित सुरक्षित रहें।श बता दें कि कम्युनिकेशन विभाग के प्रभारी महासचिव की यह टिप्पणी इस्राइल और लेबनान के बीच बढ़ती दुश्मनी के बीच आई है। बता दें कि एक बेहद भड़काऊ पोस्ट में इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन–गवीर ने लेबनान में सैन्य कार्रवाई तेज करने की मांग की। उन्होंने एक्स पर लिखा था कि इस्राइली मां के हर आंसू के बदले एक हजार लेबनानी माताओं को रोना चाहिए। पूरा लेबनान जलना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री ने आगे कहा था कि अमेरिकियों का पूरा सम्मान करते हुए, इजराइल को पूरी दुनिया को यह स्पष्ट कर देना चाहिए कि हमारे बेटों का खून और हमारे नागरिकों की सुरक्षा दांव पर नहीं है। इस्राइल का सर्वोच्च कर्तव्य अपने नागरिकों और पक्ष के सैनिकों की रक्षा करना है और यह प्रतिबद्धता किसी भी अन्य विचार से ऊपर है। बहुत हो गया यह पिंग–पोंग। मध्य पूर्व में आप नपे–तुले जवाब और संयम से नहीं जीतते, आपको आक्रामक होना पड़ता है। पूरी तरह खत्म करने के लिए। आतंक को कुचलने के लिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की कूटनीतिक दृढ़ता का उल्लेख करते हुए केंद्र सरकार की आलोचना की।

यूनाइटेड मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस छात्रा की संदिग्ध दशा में मौत

प्रयागराज। यूनाइटेड मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस छात्रा की शनिवार को संदिग्ध दशा में मौत हो गई। वह चतुर्थ वर्ष की छात्रा थी। हॉस्टल में साथ रहने वाली छात्रा की सूचना पर एयरपोर्ट पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। छात्रा सृष्टि मिश्रा मध्य प्रदेश की रहने वाली थी। यूनाइटेड मेडिकल कॉलेज की छात्रा की संदिग्ध हालत में

मौत हो गई। एमबीबीएस चतुर्थ वर्ष की छात्रा सृष्टि मिश्रा मध्य प्रदेश की रहने वाली थी। शनिवार को सुबह हॉस्टल में उसके साथ रहने वाली छात्रा ने एयरपोर्ट थाने की पुलिस और मेडिकल कॉलेज प्रशासन को सूचना दी कि सृष्टि की तबीयत ज्यादा खराब है। मौके पर पहुंची पुलिस ने सृष्टि को अस्पताल ले गई, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। उसके परिजन प्रयागराज के लिए रवाना हो गए हैं। एसीपी धूमनगंज अजेंद्र यादव ने बताया कि सुबह सूचना मिली थी कि सृष्टि की तबीयत खराब है। अस्पताल ले जाने पर उसकी मौत हो गई। पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दे दी है। मामले की छानबीन की जा रही है।

स्टे पर अभी फैसला नहीं, आयोग से तीन सप्ताह में जवाब तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सहायक अभियोजन अधिकारी (यूपी एपीओ) 2025 प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) से तीन सप्ताह में जवाब मांगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सहायक अभियोजन अधिकारी (यूपी एपीओ) 2025 प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) से तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

हाईकोर्ट ने कहा कि याचियों की ओर से मांगी गई अंतरिम राहत (स्टे) पर दोनों पक्षों के शपथपत्र दाखिल होने के बाद विचार किया जाएगा। यह आदेश न्यायमूर्ति कुणाल रवि सिंह ने प्रयागराज निवासी पंकज वर्मा व दो अन्य की याचिका पर दिया। यूपीपीएससी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने विस्तृत प्रति–शपथपत्र दाखिल करने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने आयोग को जवाब दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय देते हुए याचियों को उसके बाद एक सप्ताह में प्रत्युत्तर शपथपत्र दाखिल करने की छूट दी। याचिका में एपीओ–2025 प्रारंभिक परीक्षा परिणाम की वैधता पर सवाल उठाए गए हैं। याचियों का आरोप है कि चयन प्रक्रिया में आरक्षण और आयु सीमा से जुड़े नियमों का सही तरीके से पालन नहीं किया गया। मेरिट में आने वाले आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को सामान्य श्रेणी में समायोजित नहीं किया गया। जिससे आरक्षण का लाभ प्रभावित हुआ और कई अभ्यर्थी चयन से वंचित रह गए। याचियों ने प्रारंभिक परीक्षा परिणाम को निरस्त कर नए सिरे से परिणाम घोषित करने की मांग की है। वहीं, कोर्ट ने आयोग से जवाब तलब कर लिया है। मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई 2026 को होगी।

सिविल लाइंस में दुकानदार का कमरे में फंदे से लटका मिला शव

प्रयागराज। सिविल लाइंस क्षेत्र की टंडन कॉलोनी में शुक्रवार की सुबह सत्यम केसरवानी (25) का शव घर में फंदे पर लटका मिला। पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है। वाल्मीकि चौराहा के पास स्थित टंडन कॉलोनी निवासी दिवंगत रामचंद्र केसरवानी के दो बेटों में छोटा बेटा सत्यम केसरवानी एएमए ब्लड बैंक के पास नाश्ते की दुकान चलाता था। वह अविवाहित था। रोज की तरह वह बृहस्पतिवार रात भोजन कर अपने कमरे में सोने चला गया। शुक्रवार सुबह देर तक न उठने पर करीब आठ बजे मां रेखा कमरे में गईं तो वह फंदे पर लटका था। उनकी चीख–पुकार सुनकर घर के दूसरे सदस्य और पड़ोसी मौके पर पहुंचे। बड़े भाई विनय केसरवानी ने बताया कि घर में कोई परेशानी नहीं थी। सत्यम ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया, समझ में नहीं आ रहा। सत्यम की चार बहनें भी हैं। मृतक का मोबाइल कब्जे में लेकर पुलिस जांच कर रही है।

नीट परीक्षा के लिए रेलवे चलाएगा ऑन डिमांड स्पेशल ट्रेनें

प्रयागराज। नीट यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा 21 जून 2026 को आयोजित की जा रही है। परीक्षा को लेकर रेलवे और रोडवेज ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। रेलवे ऑन डिमांड स्पेशल ट्रेनें चलाएगा वहीं यूपी रोडवेज की बसों में परीक्षार्थी से आधा किराया लिया जाएगा। यह व्यवस्था 20 व 21 जून को लागू रहेगी। इस संबंध में शासन के विशेष सचिव केपी सिंह ने प्रबंध निदेशक परिवहन निगम को निर्देश भी जारी कर दिए हैं। यूपी रोडवेज प्रयागराज रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र कुमार सिंह ने बताया कि रोडवेज बसों के साथ ही सिटी पीसीटीएसएल (प्रयागराज सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड) से संचालित ई–बसों में भी किराया आधा रहेगा। 50 बसें रिजर्व में भी रहेंगी। दूसरी ओर, उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने अपने प्रमुख स्टेशन प्रयागराज, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी आदि रेलवे स्टेशन से ऑन डिमांड स्पेशल ट्रेन चलाए जाने की तैयारी की है। जिस रूट पर परीक्षार्थियों की भीड़ रहेगी उसी रूट पर स्पेशल ट्रेन चला दी जाएगी। इसके अलावा रेलवे स्टेशनों पर सहायता बूथ भी रहेंगे। प्रयागराज जंक्शन का यात्री आश्रय स्थल भी परीक्षार्थियों के लिए खुला रहेगा। मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह के अनुसार परीक्षा को लेकर प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों के रेक भी रिजर्व में रखे जाएंगे।

एसएससी ने स्टेनोग्राफर की पहली आवंटन सूची पर लगाई रोक

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने स्टेनोग्राफर ग्रेड सी व डी परीक्षा–2025 की पहली अनंतिम आवंटन सूची (एफआरटीए) को तत्काल प्रभाव से रोक दिया है। यह सूची बीते बृहस्पतिवार को वेबसाइट पर जारी की गई थी। उम्मीदवारों से प्राप्त शिकायतों और अभ्यावेदनों के बाद एसएससी ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

बिजली कनेक्शन तक नहीं और बना दिया नीट का परीक्षा केंद्र, अब इविवि के सीनेट परिसर में होगी परीक्षा

प्रयागराज। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट–यूजी पुनर्परीक्षा 2026 के आयोजन से ठीक दो दिन पहले प्रयागराज में परीक्षा केंद्र निर्धारण की बड़ी चूक सामने आई है।

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट–यूजी पुनर्परीक्षा 2026 के आयोजन से ठीक दो दिन पहले प्रयागराज में परीक्षा केंद्र निर्धारण की बड़ी चूक सामने आई है। जिस भवन को नीट यूजी का परीक्षा केंद्र बनाया गया था वहां न तो बिजली की समुचित व्यवस्था थी और न ही निर्माण कार्य पूरा हुआ था। हालात ऐसे थे कि परीक्षा आयोजित कराना संभव नहीं था। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को परीक्षा से महज दो दिन पहले केंद्र बदलना पड़ा। प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए नए प्रवेश पत्र जारी करने पड़े। अब इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिसर स्थित हरिवंश राय बच्चन सांस्कृतिक केंद्र में निर्धारित परीक्षा नहीं होगी।

यहां आवंटित अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय के सीनेट हाउस परिसर स्थित मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग में परीक्षा देनी होगी। इसके लिए प्रवेश पत्र दोबारा जारी किए गए हैं। नीट–यूजी की परीक्षा 21 जून को आयोजित की जानी है। नीट परीक्षा के लिए केंद्रों का चयन कई स्तरों पर निरीक्षण और सत्यापन के बाद किया जाता है। इसके बावजूद निर्माणाधीन भवन को परीक्षा केंद्र बनाए जाने से पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं। एनटीए के साथ स्थानीय प्रशासन और प्रयागराज में परीक्षा के लिए नोडल नियुक्त किए अधिकारी की भी इस पर नजर नहीं पड़ी।

जिस परिसर को हरिवंश राय बच्चन सांस्कृतिक केंद्र के नाम से जाना जाता है, वहां पहले विज्ञान परिषद का संचालन किया जा रहा था। कुछ समय पहले इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने अकादमिक गतिविधियों के लिए विज्ञान परिषद से अपना भवन वापस ले लिया और वहां निर्माण और साज–सज्जा का कार्य चल रहा है।

जिला स्तरीय समिति के सिफारिश पर बदला केंद्र

एनटीए की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार भवन में बिजली की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। कंप्यूटर, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा निगरानी और अन्य व्यवस्थाओं के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति जरूरी होती है। निर्माण कार्य जारी होने के कारण परीक्षार्थियों के बैठने, आवाजाही और सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं थीं। इन परिस्थितियों में जिला स्तरीय समिति ने केंद्र बदलने की संस्तुति की जिसे एनटीए ने स्वीकार कर लिया।

केंद्र बदलने से बढ़ी अभ्यर्थियों की दिक्कत

अचानक किए गए केंद्र परिवर्तन का सीधा असर अभ्यर्थियों पर पड़ा है। परीक्षा से केवल दो दिन पहले नई सूचना मिलने के कारण कई छात्रों को अपनी यात्रा और ठहरने की योजनाएं बदलनी पड़ीं। दूसरे जिलों और राज्यों से आने वाले अभ्यर्थियों को नए केंद्र का पता लगाने और वहां तक पहुंचने की व्यवस्था दोबारा करनी पड़ी। कई अभ्यर्थी पहले ही पुराने केंद्र का निरीक्षण कर चुके थे और उसी के अनुसार तैयारी कर रहे थे।

पुराना प्रवेश पत्र है तो भी दिक्कत नहीं

एनटीए ने स्पष्ट किया है कि जिन अभ्यर्थियों के पास पुराने केंद्र वाला प्रवेश पत्र है उन्हें भी सत्यापन के बाद नए केंद्र पर परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। साथ ही संशोधित प्रवेश पत्र वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। एजेंसी ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे नवीनतम जानकारी के लिए नियमित रूप से वेबसाइट देखते रहें।

पिछली परीक्षा हरिवंश राय बच्चन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित की गई थी। पुनर्परीक्षा के लिए एनटीए से मिली केंद्रों की लिस्ट में यह सेंटर शामिल था। बाद में सूचना आई कि मौके पर निर्माण कार्य चल रहा है। स्टैटिक व सेक्टर मजिस्ट्रेट को मौके पर भेजकर जांच कराई गई। सूचना की पुष्टि होने पर एनटीए को परीक्षा केंद्र बदलने का प्रस्ताव भेजा गया। एनटीए ने प्रस्ताव मंजूर करते हुए केंद्र बदल दिया है। – मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी

गोद में नवजात, आंखों में आंसू... दर्द की गठरी लेकर मायके लौटी बेटी

प्रयागराज। गोद में नवजात बच्ची... आंखों में आंसू... और टूटे रिश्तों का दर्द...। बेटी के भविष्य की चिंता और खुद के चकनाचूर अरमानों के साथ एक विवाहिता को ससुराल छोड़कर मायके लौटना पड़ा।

गोद में नवजात बच्ची... आंखों में आंसू .. और टूटे रिश्तों का दर्द...। बेटी के भविष्य की चिंता और खुद के चकनाचूर अरमानों के साथ एक विवाहिता को ससुराल छोड़कर मायके लौटना पड़ा। बात सिर्फ इतनी है कि वह बेटे को जन्म नहीं दे पाई। ससुराल वालों को यह बात इतनी बुरी लगी जैसे बहू ने यह सब जानबूझकर किया हो।

पीड़िता मेजा क्षेत्र की रहने वाली है। उसकी अप्रैल 2024 में जौनपुर निवासी युवक से शादी हुई थी। कुछ महीने बाद पूरा परिवार मुंबई में रहने लगा। आरोप है कि गर्भवती होने के बाद ससुराल वालों ने दहेज में कार और एक लाख रुपये की मांग शुरू कर दी, जबकि शादी में नकदी, गहने और गृहस्थी का भरपूर सामान दिया गया था। कार न दे पाने पर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। ससुराल वाले बेटा पैदा करने के लिए दबाव बनाने लगे। बार–बार कहते कि परिवार में वारिस यानी बेटा ही होना चाहिए। तब यह बात हंसी मजाक की लगती थी। उम्मीद थी कि बच्चा पैदा होने के बाद परिवार में खुशियां आएंगी लेकिन हुआ इसका उलट।

पीड़िता के अनुसार, बेटी के जन्म लेते ही प्रताड़ना का स्तर बढ़ गया। फरवरी 2026 की एक रात उसे नवजात बेटी के साथ घर से निकाल दिया गया। रात में वह बच्ची को सीने से लगाए मदद की तलाश में भटकती रही। पड़ोसियों ने उसे कुछ समय के लिए सहारा दिया। अगले दिन भी ससुराल वालों ने उसे अपनाने से इन्कार कर दिया।

मायके लौटी, लगाई न्याय की गुहार

घर से निकाले जाने के बाद पीड़िता बच्ची के साथ मुंबई से प्रयागराज स्थित मायके लौटी। जौनपुर के मलीकलां निवासी पति श्याम बिंद, सास हीरामणि और ननद पूजा के खिलाफ महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई। तीन महीने चली जांच के बाद 16 जून को रिपोर्ट दर्ज की गई। पीड़िता ने वैवाहिक जीवन बचाने के लिए परिवार परामर्श केंद्र में भी गुहार लगाई है।

'चश्मदीदों की अचूक गवाही खत्म कर देती है संदेह की संभावना', कोर्ट का 26 साल पुराने हत्याकांड में ये फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बांदा के 26 साल पुराने बहुचर्चित जमील प्रधान हत्याकांड में फैसला सुनाया है। जमील प्रधान हत्याकांड में फारुख और फीमा की उम्रकैद को बरकरार रखा है। साथ ही यह भी कहा है कि चश्मदीदों की अचूक गवाही संदेह की संभावना खत्म कर देती है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बांदा के 26 साल पुराने बहुचर्चित जमील प्रधान हत्याकांड में उम्रकैद पाए फारुख और फीमा की सजा पर मुहर लग दी है। कोर्ट ने कहा दिनदहाड़े हुई वारदात पर चश्मदीदों की अचूक गवाही से संदेह की संभावनाएं खत्म हो जाती हैं।

यह फैसला न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने सुनाया है। बांदा सत्र न्यायालय ने चश्मदीद गवाहों के बयानों पर भरोसा करते हुए 2005 में दोनों दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ दोनों दोषियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

यह खूनी वारदात 25 नवंबर 2002 को दोपहर लगभग दो बजे बांदा के छावनी चौराहे पर हुई थी। गोयरा गांव के तत्कालीन प्रधान जमील खान अपने भाइयों के साथ अनाज का सौदा कर दिलहागंज से लौट रहे थे। तभी रंजिश को लेकर घात लगाए बैठे गांव के ही फारुख और फीमा मोटरसाइकिल से वहां पहुंचे। दोनों ने अवैध देसी पिस्तौलों से जमील पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। छाती और बांह में गोली लगने से गंभीर रूप से घायल जमील की अगले दिन कानपुर के अस्पताल में मौत हो गई थी।

वारदात में एक राहगीर भी घायल हुआ था। पुलिस ने बाद में आरोपी फीमा की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त अवैध असलहा और कारतूस भी बरामद किए थे, जिसे हाईकोर्ट ने पुख्ता सबूत माना।

कोर्ट ने यह भी पाया कि मामले के चश्मदीद उबैद और अली हुसैन ने वारदात का जो विस्तृत और आंखों देखा विवरण गवाही में पेश किया है उसमें अविश्वास करने का कोई कारण नहीं है।

पूरी वारदात दोपहर के उजाले में अंजाम दी गई थी। इसलिए न तो हमलावरों की पहचान को लेकर कोई विवाद खड़ा होता है और ना ही घटना स्थल को लेकर कोई संशय बचता है। लिहाजा, कोर्ट ने दोषियों की अपील खारिज करते हुए जमानत पर चल रहे दोनों दोषियों को तत्काल ट्रायल कोर्ट में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है।

नीट यूजी परीक्षा में गड़बड़ी की तो जाना पड़ सकता है हवालात, सुरक्षा के व्यापक इंतजाम

प्रयागराज। नीट यूजी पुनर्परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता और सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट ने सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए हैं। डीसीपी नगर ने कहा कि अभ्यर्थी किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। नीट यूजी पुनर्परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता और सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट ने सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए हैं। डीसीपी नगर ने कहा कि अभ्यर्थी किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। साथ ही परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों को हवालात भी भेजा जा सकता है। डीसीपी नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि रविवार 21 जून को होने वाली परीक्षा को लेकर विशेष सुरक्षा प्लान तैयार किया गया है। शहर के 47 परीक्षा केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। परीक्षा केंद्रों और आसपास के क्षेत्रों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों व पुलिस टीमों के माध्यम से की जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता प्रभावित करने वाले किसी भी प्रकार के अनुचित कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नकल, फर्जी अभ्यर्थियों की एंट्री, प्रश्नपत्र लीक करने की कोशिश अथवा परीक्षा में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। केंद्रों के आसपास संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने के लिए पुलिस की टीमें लगातार सक्रिय रहेंगी।

किसी भी तरह की अफवाह पर न दें ध्यान

डीसीपी ने अभ्यर्थियों और अभिभावकों से अपील की कि वे परीक्षा से जुड़े सभी निर्देशों का पालन करें और किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। पुलिस और प्रशासन की प्राथमिकता है कि परीक्षा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हो, ताकि सभी अभ्यर्थियों को समान अवसर मिल सके। साथ ही सोशल मीडिया पर भी निगरानी की जाएगी।

यमुना नदी में जल योग कर दिया स्वस्थ जीवन का संदेश, तैराकों ने लिया हिस्सा

प्रयागराज। प्रयागराज में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले यमुना नदी के बरगद घाट पर अनूठे 'जल योग' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में तैराकों, बच्चों, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने पानी में रहकर विभिन्न योगासन किए और लोगों को योग के प्रति जागरूक किया। प्रयागराज में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले यमुना नदी के बरगद घाट पर अनूठे 'जल योग' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में तैराकों, बच्चों, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने पानी में रहकर विभिन्न योगासन किए और लोगों को योग के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान सूर्य नमस्कार, शवासन, वज्रासन, मत्स्यासन, अनुलोम–विलोम तथा 'ओम' उच्चारण जैसे योगाभ्यास कराए गए। स्विमिंग कोच त्रिभुवन निषाद ने बताया कि उनकी अकादमी में तैराकी के साथ योग का प्रशिक्षण भी दिया जाता है और पिछले कई वर्षों से योग दिवस के अवसर पर जल योग का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिभागियों का कहना है कि जल योग से शारीरिक संतुलन, रोग प्रतिरोधक क्षमता और मानसिक ताजगी में लाभ मिलता है। योग दिवस (21 जून) के प्रति उत्साह बढ़ाने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया।

पुलिस पहुंची तो भागने लगे शराबी, कोई गाड़ी के पीछे छिपा तो कोई बनाने लगा बहाने

प्रयागराज। सिविल लाइंस में शुक्रवार रात सार्वजनिक स्थानों पर शराब पी रहे लोगों के बीच अचानक पुलिस टीम के पहुंचने से अफरातफरी मच गई। पुलिस देखते ही कई लोग भागने लगे। कुछ ने गाड़ियों के पीछे छिपकर बचने की कोशिश की जबकि कई लोग बहाने बनाने लगे। पुलिस ने 13 लोगों को पकड़ लिया है। थाना सिविल लाइंस पुलिस ने ऑटो सेल चौराहा, धोबी घाट समेत कई सार्वजनिक स्थानों पर अभियान चलाया। खुलेआम शराब पीते मिले लोगों को हिरासत में लेकर थाने लाया गया। इनमें करेली, दारागंज, सिविल लाइंस समेत शहर के विभिन्न इलाकों के निवासी शामिल हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पुलिस की गाड़ी देखते ही कुछ युवक मौके से भाग गए। कुछ अंधेरे का फायदा उठाकर छिपने लगे। सिविल लाइंस थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर 13 लोगों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की गई है। आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे। चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महिला कर्मचारी से अभद्रता का आरोप, दो डाककर्मी निलंबित

प्रयागराज। डाक विभाग की एक दलित महिला कर्मचारी के साथ कथित अभद्र व्यवहार के मामले में दो कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मामला 16 जून 2026 का है। प्रयागराज मंडल के दो कर्मचारियों पर महिला कर्मचारी के साथ अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगा है। मामला पोस्टमास्टर जनरल, प्रयागराज क्षेत्र के संज्ञान में आने के बाद बहादुरगंज के डाक सहायक विवेक कुमार श्रीवास्तव और न्यू बैरहना डाकघर के उप डाकपाल सरफराज शमी के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की गई।

पोस्टमास्टर जनरल राजीव उमराव ने बताया कि महिला कर्मचारी की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एक सदस्यीय जांच समिति गठित की गई है। समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला कर्मचारियों की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार के अभद्र या अस्वीकार्य व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नीट यूजी परीक्षा में गड़बड़ी की तो जाना पड़ सकता है हवालातः डीसीपी

प्रयागराज। नीट यूजी पुनर्परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता और सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट ने सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए हैं। डीसीपी नगर ने कहा कि अभ्यर्थी किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। साथ ही परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों को हवालात भी भेजा जा सकता है। डीसीपी नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि रविवार 21 जून को होने वाली परीक्षा को लेकर विशेष सुरक्षा प्लान तैयार किया गया है। शहर के 47 परीक्षा केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। परीक्षा केंद्रों और आसपास के क्षेत्रों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों व पुलिस टीमों के माध्यम से की जाएगी।

उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता प्रभावित करने वाले किसी भी प्रकार के अनुचित कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नकल, फर्जी अभ्यर्थियों की एंट्री, प्रश्नपत्र लीक करने की कोशिश अथवा परीक्षा में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। केंद्रों के आसपास संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने के लिए पुलिस की टीमें लगातार सक्रिय रहेंगी।

संक्षिप्त

राष्ट्रपति के 68वां जन्मदिन पर सीएम योगी ने दी बधाई

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जन्मदिन पर बधाई दी। योगी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। आपका सादगीपूर्ण जीवन, जनजातीय समाज के उत्थान के प्रति अगाध समर्पण तथा संवैधानिक मूल्यों के प्रति अटूट निष्ठा देश वासियों के लिए उत्कृष्ट प्रेरणा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ जी से आपके सुदीर्घ व सुयशपूर्ण जीवन और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना है। भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को 68 साल की हो गईं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रपति को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी, आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! मैं भगवान जगन्नाथ से आपके उत्कृष्ट स्वास्थ्य और लंबे जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी मुर्मू को जन्मदिन पर बधाई दी। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। एक सरल और विनम्र स्वभाव की महिला और महिला सशक्तिकरण का प्रतीक। मैं ईश्वर से आपके उत्कृष्ट स्वास्थ्य और लंबे जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।

केडी सिंह स्टेडियम में भव्य योग शिविर का आयोजन

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक सहित कई दिग्गज हुए शामिल

लखनऊ (संवाददाता)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में लखनऊ के ऐतिहासिक केडी सिंह बाबू स्टेडियम में ममता चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा एक भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में राजनीति और प्रशासन जगत की कई बड़ी हस्तियों के साथ–साथ भारी संख्या में स्थानीय निवासियों और स्कूली बच्चों ने हिस्सा लेकर योग को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस योग शिविर में मुख्य आकर्षण के रूप में उत्तर प्रदेश के वर्तमान उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने उपस्थित जनसमूह के साथ विभिन्न योगासन किए और लोगों को स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल होने वाले विशिष्ट अतिथि के रूप में यूपी डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, एमएलसी इंजीनियर अवनीश समेत वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा इस योगाभ्यास में शामिल हुए। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित इस शिविर में लखनऊ के स्थानीय नागरिकों के साथ–साथ विभिन्न स्कूलों से आए बच्चों ने भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों और युवाओं ने ट्रेनर्स के निर्देशों का पालन करते हुए प्राणायाम और अन्य महत्वपूर्ण आसन सीखे। ममता चौरिटेबल ट्रस्ट की ओर से बताया गया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य योग के प्रति जागरूकता फैलाना और मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है।

एएमसी सेंटर में समापन परेड, मेजर जनरल अनुज चावला ने ली सलामी

लखनऊ (संवाददाता)। आर्मी मेडिकल कोर (एएमसी) सेंटर और कॉलेज के ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉलेज में शनिवार को सीनियर कैडर कोर्स–01 की समापन परेड का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर 125 नॉन–कमीशंड ऑफिसर्स (एनसीओ) ने हिस्सा लिया, जिन्होंने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर भविष्य में जूनियर कमीशंड ऑफिसर्स (जेसीओ) के रूप में जिम्मेदारियां संभालने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। समापन परेड में सैन्य अनुशासन, दक्षता और परंपरागत गरिमा का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। परेड का निरीक्षण एएमसी सेंटर एवं कॉलेज के ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉलेज के कमांडेंट एवं चीफ इंस्ट्रक्टर मेजर जनरल अनुज चावला ने किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं की उत्कृष्ट प्रस्तुति, अनुशासन और परेड के सफल संचालन की सराहना की। कोर्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एमडीसी रानीखेत के हवलदार (डेंटल हाइजीनिस्ट) राम कुमार को रोलिंग ट्रॉफी और प्रतिष्ठित लेफ्टिनेंट जनरल पी.वी. रामचंद्रन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया। अपने संबोधन में मेजर जनरल अनुज चावला ने कहा कि आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल सर्विस युद्ध और शांति दोनों परिस्थितियों में सैनिकों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से पेशेवर दक्षता के उच्च मानकों को बनाए रखने तथा सेना की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। समापन परेड को प्रशिक्षुओं के परिजनों के साथ–साथ मेडिकल ऑफिसर्स बेसिक कोर्स (एमओबीसी) और बेसिक नर्सिंग ऑफिसर्स कोर्स (बीएनओसी) के अधिकारी प्रशिक्षुओं ने भी देखा। समारोह के दौरान प्रशिक्षित सैनिकों का आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता स्पष्ट रूप से दिखाई दी, जो भविष्य में सेना की चिकित्सा सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

गोंडा का हमजा, लखनऊ में बना हेमंत सिंह,बोला हमारे पूर्वज हिंदू थे, मुगलों ने कन्वर्ट करा दिया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में गोंडा के एक युवक ने दावा किया है कि वह मुस्लिम से हिंदू बना है। स्वेच्छा से उसने अपना नाम हमजा अली से हेमंत सिंह कर लिया। युवक ने बताया– मैं बचपन से ही महादेव का भक्त हूं, उनकी पूजा करता आ रहा हूं। हमारे पूर्वज हिंदू थे। मुगलों ने यहां आकर कन्वर्ट करा दिया था। गोमतीनगर स्थित विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यालय में शनिवार को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने युवक हमजा और एक महिला का शुद्धीकरण कराया। राय ने बताया कि इनके अलावा, दो लव जिहाद की पीड़िताएं आई हैं, उनकी मदद की जाएगी। इन्होंने परिषद की हेल्पलाइन में सहायता मांगी थी। गोंडा से आए युवक ने बताया पहले मैं हमजा अली था। अब मेरा नाम हेमंत सिंह हो गया है। हमारे जो पूर्वज हिंदू और सनातनी थे, मगर जब मुगल आए तो जबरदस्ती गड्ड–मड्ड करवा दिया। मेरी शुरू से ही हिंदू धर्म में आस्था है। परिवारवाले मानें या ना मानें, मैं मान रहा हूं। पिता का नाम हामिद अली राइनी और माता का नाम उमा अंजुम राइनी है। जब मैं घर वापसी करने आ रहा था तो परिवार वालों ने समझाने की कोशिश की। मैं बालिग हूं, अपने मन से फैसला कर सकता हूं। इसीलिए मैं घर वापसी करने आ गया। पिछले 5–6 सालों से नमाज पढ़ना छोड़ दिया है।

रंगचक्र की पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज। सांस्कृतिक संस्था रंगचक्र द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय रंगमंच कार्यशाला 16 जून से 21 जून तक राजापुर स्थित रेवती देवी स्कूल में संचालित की जा रही है। कार्यशाला का निर्देशन रंगकर्मी गौरव शर्मा द्वारा किया जा रहा है। कार्यशाला में शहर के 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया है, जो उत्साहपूर्वक विभिन्न रंगमंचीय गतिविधियों में सहभागिता कर रहे हैं।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को योग एवं शारीरिक व्यायाम से दिन की शुरुआत कराई जा रही है, जिससे उनमें एकाग्रता, शारीरिक संतुलन और मंचीय सजगता का विकास हो सके। इसके साथ ही अभिनय की मूलभूत तकनीकों, संवाद अदायगी, शारीरिक अभिव्यक्ति, मंच अनुशासन तथा रंगमंच की विभिन्न बारीकियों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कार्यशाला के दौरान सात्विक आहार और कलाकार के जीवन में उसके महत्व पर भी चर्चा की गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि एक कलाकार के लिए स्वस्थ जीवनशैली और संतुलित भोजन कितना आवश्यक है। साथ ही मंच के विभिन्न स्वरूपों, उनकी संरचना तथा

मंच पर प्रकाश संचालन की तकनीकों की जानकारी भी दी गई।

कार्यशाला में वरिष्ठ रंगकर्मी रवींद्र वर्मा ने मुखौटा निर्माण की प्रक्रिया और रंगमंच में उसके उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी। वहीं फिल्मकार एवं अभिनेता सत्यम तिवारी ने मंच और सिनेमा में किए जाने वाले अभिनय के अंतर को समझाते हुए कैमरा अभिनय की बारीकियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को कैमरे में प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के शॉट्स, जैसे क्लोज़–अप, मिड शॉट और लॉन्ग शॉट आदि की जानकारी दी तथा बताया कि कैमरे के सामने अभिनय करते समय किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

कार्यशाला के अंतर्गत प्रतिदिन विभिन्न रंगमंचीय खेल, समूह गतिविधियाँ और अभ्यास सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे प्रतिभागियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति क्षमता का विकास हो सके। कार्यशाला निरंतर उत्साह और सक्रिय सहभागिता के साथ आगे बढ़ रही है तथा प्रतिभागी रंगमंच और अभिनय की नई–नई विधाओं को सीख रहे हैं।

हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है

सोमवार से शुरू होगा 15 दिवसीय स्वच्छता अभियान

मथुरा। ब्रज क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर एवं प्लास्टिक–मुक्त बनाने के उद्देश्य से सोमवार से 15 दिवसीय सघन स्वच्छता अभियान प्रारंभ किया जाएगा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद एवं हार्टफुलनेस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जाने वाले इस अभियान का नारा ष्हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना हैष रखा गया है।

शनिवार को आयोजित समीक्षा बैठक में अभियान की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र ने की। बैठक में मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, नगर आयुक्त जग प्रवेश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अभियान के तहत मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना सहित ब्रज के प्रमुख तीर्थस्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। प्लास्टिक कचरे एवं अन्य अपशिष्ट का संग्रहण कर उसका वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाएगा। नगर निकायों, ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

हार्टफुलनेस फाउंडेशन के स्वयंसेवक विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता गतिविधियों में सहयोग करेंगे, वहीं स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों को भी अभियान से जोड़कर स्वच्छता के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाई जाएगी।

बैठक में बताया गया कि प्रथम चरण का अभियान 15 दिनों तक चलेगा।

इसके बाद प्रत्येक रविवार को प्रमुख तीर्थस्थलों पर नियमित स्वच्छता अभियान संचालित किया जाएगा। साथ ही परिक्रमा मार्गों एवं भंडारों के दौरान स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए अलग कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

नीट छात्रों की मौत कांग्रेस का सरकार पर बड़ा हमला, आत्महत्या नहीं ये हत्या है : अजय राय

लखनऊ (संवाददाता)। नीट के मुद्दे पर कांग्रेस आक्रामक रूप से सरकार पर हमलावर है। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय पर एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए बड़ा आरोप लगाया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हाल में नीट परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद 12 छात्रों ने अपनी जानें गंवाई हैं। कांग्रेस इसे सुसाइड नहीं बल्कि सरकार द्वारा उत्प्रेरित हत्या मानती है। अजय राय ने कहा कि मानसिक तनाव के कारण रितिका मिश्रा, शिवानी यादव, अंशिका पांडेय समेत देश के 12 होनहार स्टूडेंट्स ने अपनी जान दे दी, इसलिए क्योंकि पेपर लीक होने से वे मानसिक रूप से टूट गए थे। अजय राय ने एक आंकड़ा साझा करते हुए कहा कि, देश की पांच प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अभिभावक 3.5 लाख करोड़ रुपये खर्च करते हैं। ये खर्च देश के पांच बड़े प्रमुख मंत्रालयों के बजट के बराबर है। फिर भी देश का शिक्षातंत्र रिजेक्शन सिस्टम बना है, जो एक हजार छात्रों में सिर्फ 12 को नौकरी दे पाता है। उन्होंने कहा कि 2018 से लेकर 2026 तक नीट समेत कई प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। इसके बावजूद शिक्षामंत्री ने नैतिक जिम्मेदारी लेकर इस्तीफा नहीं दिया। कांग्रेस लगातार उनके इस्तीफे की मांग उठा रही है। अजय राय ने कहा कि देश के छात्रों और अभिभावकों की इस पीड़ा

को राहुल गांधी सड़क से संसद तक उठाएंगे। उन्होंने श्छात्रों की गूंजश अभियान और कोटा महारैली की शुरुआत कर दी है। इसके माध्यम से वे प्रयागराज, पटना और दिल्ली में छात्रों से सीधा संवाद कर देश में एक निष्पक्ष, पारदर्शी और अभिभावकों की जेब के अनुकूल नई शिक्षा प्रणाली की नींव रखेंगे।

संपत्ति की पहचान, स्वामित्व और रिकॉर्ड की जानकारी एक क्लिक पर

भूमि एवं संपत्ति प्रबंधन में पारदर्शिता पर योगी सरकार का फोकस
यूनिक प्रॉपर्टी आईडी, भू–आधार और स्वतः नामांतरण व्यवस्था पर मंथन

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता और डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल आकार ले रही है। अचल संपत्तियों के पंजीकरण, स्वामित्व सत्यापन और नामांतरण प्रक्रिया को सरल, सुरक्षित एवं तकनीक आधारित बनाने के उद्देश्य से मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक में स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग ने व्यापक सुधारों का खाका प्रस्तुत किया। योगी सरकार लगातार प्रशासनिक प्रक्रियाओं में तकनीक के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। इसी क्रम में संपत्ति पंजीकरण और नामांतरण व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए ऐसे प्रावधान प्रस्तावित किए गए हैं, जिनसे फर्जी स्वामित्व, विवादित संपत्तियों की बिक्री और धोखाधड़ी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी।

प्रस्तुतीकरण में पंजीकरण अधिनियम, 1908 में संशोधन कर नई धाराएं 22–ए, 22–बी और 35–ए जोड़ने का प्रस्ताव रखा गया, जिससे संपत्ति के स्वामित्व और अधिकारों की पूर्व जांच अनिवार्य हो सकेगी।

प्यारी है गुलदाउदी

प्यारी है गुलदाउदी, आकर्षक इतिहास।
चीनी जिसको 'चूश कहें, फूल बहुत बिंदास।
फूल बहुत बिंदास, जड़ो से बने दवाएँ।
पंखुड़ियों के साथ, टहनियों को भी खाएँ।
सुन लो कहें प्रदीप, सभी से करके यारी।
पहुँची देश–विदेश,बनी यह सबकी प्यारी।।

कहते चीनी दार्शनिक, किस्सा है प्राचीन।
फूलों में गुलदाउदी, लगती अति रंगीन।
लगती अति रंगीन, जिसे 'चूश कहते चीनी।
कोमल मधुर सुगन्ध, रखे जो भीनी–भीनी।
सुन लो कहें प्रदीप, जहाँ पर हैं यह रहते।
बस्ती गुलदाउदी, शहर 'चू–ह्सियनश कहते।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

विश्व योग दिवस पर 15वाँ सामाजिक सत्याग्रह आज

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडवकालीन भयहरणनाथ धाम को कब्जा एवं मनमानेपन से मुक्त कराने हेतु गत 15 मार्च से प्रत्येक रविवार को रचनात्मक सामाजिक प्रयास जारी हैं। इसी कड़ी में विश्व योग दिवस के पावन अवसर पर 15वाँ सामाजिक सत्याग्रह 21 जून को आयोजित होगा। भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर के संयोजन में सत्याग्रह पूर्णतः अहिंसक, शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक दायरे में होगा। प्रबन्ध संस्थान का उद्देश्यरू ष्सबके लिए खुला है मंदिर, यह है हमाराष है। संस्था ने जिलाधिकारी महोदय से बरसात से पूर्व राजस्व टीम भेजकर कब्जा मुक्ति प्रक्रिया में सहयोग की मांग की है।अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल एवं कार्यवाहक अध्यक्ष श्री लाल जी सिंह ने से धर्म–सत्य की रक्षा हेतु सहभागिता की अपील की है।

योग से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संभवः डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान आध्यात्मिक पीठ के नौंवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि पैदल चलना, ध्यान और योग से मनुष्य के जीवन में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य लाया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, 2026 के अवसर पर गुरुवार की शाम को पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के नए आश्रम में आयोजित निशुल्क योग

प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता की और योग प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय योग प्रशिक्षक श्री करीबंदी रामकृष्ण गुरुजी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि आज की मशीनी दुनिया में भाग–दौड़ कर रहे लोगों को पैदल चलने, ध्यान और योग से शरीर को ताकत, मन को शांति और खुशी मिलेगी। योग गुरु रामकृष्ण ने आसन, सांस लेने के व्यायाम और प्राणायाम की प्रक्रियाएं कराईं और बताया कि योग से कई बीमारियां ठीक हो सकती हैं। इस प्रोग्राम में बड़ी संख्या में पीठ के सदस्य और कार्यकर्ता शामिल हुए। बाद में श्री विश्व विज्ञान आध्यात्मिक पीठ के नौंवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने योग गुरु रामकृष्ण को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

हरिहर नगर में पेयजल सुविधा का उद्घाटन, क्षेत्रवासियों को मिलेगी राहत

लखनऊ (संवाददाता)। आज हरिहर नगर जन कल्याण विकास समिति एवं पीस एजुकेशनल चौरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में लॉर्ड मैहर चौराहा, निकट हरिहर नगर में मोहर्रम के मोके पर एक पेयजल वाटर कूलर की स्थापना की गई। इस जनहितकारी सुविधा का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं क्षेत्रीय विधायक ओ.पी. श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष मुकेश धर दुबे ने की। इस अवसर पर पीस एजुकेशनल चौरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष मुर्तजा अली सिद्दीकी, इस्माइलगंज प्रथम वार्ड के क्षेत्रीय पार्षद प्रत्याशी श्री कृष्ण वीर सिंह बंटू समेत क्षेत्र के सैकड़ों सम्मानित निवासीगण उपस्थित रहे।ट्रस्ट के सरपरस्त जनाब खालिद इस्लाम, सईद अनवर सिद्दीकी, महफूज साहब, उमर साहब चंद्रभानु सिंह शत्रुघ्न सिंह प्रमोद कनौजिया श्री जगदंबा प्रसाद शुक्ला एस के सिंह हरिश्चंद्र सिंह पिंटू विनोद चतुर्वेदी के.डी सिंह घनश्याम सिंह केपी अवस्थी आदि गणमान्य लोग भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या : 26/27 दिनांक : 19.06.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ.म.रे., प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001-2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं:

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	40261561	मेटल ऑक्साइड गैपलेस टाइप लाइटनिंग अरेस्टर	153 नग	10.07.2026
2	40261030	[illegible] 200 [illegible]	220693 मीटर	15.07.2026
3	20263482	मेटालाइज्ड कार्बन स्ट्रिप	2265 नग	28.07.2026
4	20263490	पिनियन शाफ्ट 21 टीथ	294 नग	03.08.2026
5	20263492	[illegible] रिंग	325 नग	04.08.2026

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1402/26 (ADM)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय........

मोदी-ट्रम्प भेंटः हासिल क्या?

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच बहुप्रतीक्षित द्विपक्षीय मुलाकात फ्रांस में हुई। अवसर था– जी–7 शिखर सम्मेलन का जिसमें भारत को ब्राजील, मिस्र, केन्या और दक्षिण कोरिया के साथ विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। दोनों ने एक दूसरे की हमेशा की तरह प्रशंसा की परन्तु भारत–अमेरिका के बीच जो महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, उन पर कोई खास प्रगति होती नहीं दिखी। इसलिये इसका हासिल भारत को क्या होगा– यह फिलहाल सामने आना है, लेकिन इस मायने में भेंट को महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि करीब डेढ़ वर्ष बाद दोनों की मुलाकात ढीले पड़ चुके सम्बन्धों की नयी शुरुआत कही जा सकती है। उभय देशों के बीच कई तरह के मसले हैं जिन पर स्पष्ट बात न होना या कम से कम उनका सार्वजनिक न करना, इस वार्ता को संदेहों के घेरों से नहीं निकाल पायेगा। इसलिये भारत सरकार स्पष्ट करे कि इस बातचीत का आखिर हासिल क्या है और वह किस तरह से भारत के पक्ष में है। मुलाकात में क्या हुआ, इसकी सारी जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति ने ही दी। मोदी पूरे वक्त उनकी बगल में तो बैठे रहे परन्तु उन्होंने ट्रम्प के बयान में न कोई शब्द जोड़ा, न कहीं सफाई दी अथवा मुद्दे को विस्तार देने की जरूरत समझी। हालांकि ऐसा कोई पहली बार नहीं हुआ है जब मोदी किसी अन्य देश के प्रमुख से मिले परन्तु अपनी ओर से पत्रकारों के किसी सवाल का जवाब दिया हो। भारत का नजरिया जो मोदी या कोई भारतीय कूटनीतिज्ञ स्पष्ट कर सकता है, वह भला दूसरे देश का प्रमुख किस प्रकार विश्व मीडिया के आगे रख पाएगा। इसलिये ऐसी मुलाकातों के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय या उस देश के भारतीय दूतावास से जारी प्रेस बयानों से ऐसी भेंट का निष्कर्ष सामने आ पाता है। भारत में मोदी–ट्रम्प की मुलाकात का सिर्फ इसलिये बेसब्री से इंतजार नहीं था कि यह दोनों के बीच लम्बे समय बाद होने वाली द्विपक्षीय वार्ता थी, बल्कि अनेक ऐसे मुद्दे इस समय हैं जो उस परस्पर रिश्तों को प्रभावित कर रहे हैं– इनमें से ज्यादातर तो भारत के लिये तल्खी वाले ही हैं। सबसे ताजा मुद्दा है कुछ दिन पहले विवादग्रस्त होर्मुज स्ट्रेट के पास तीन भारतीय नाविकों की अमेरिकी गोलाबारी से मौत। उस मामले को भारत सरकार की ओर से मजबूत तरीके से तो क्या औपचारिक रूप से भी अमेरिका के सामने नहीं उठाया गया था। स्वयं नरेन्द्र मोदी ने इस पर एक वाक्य का तक बयान नहीं दिया। हालांकि एक पत्रकार द्वारा इस बाबत पूछे गये सवाल पर ट्रंप ने कह दिया कि, श्नाविकों का पेशा खतरे से भरा होता ही है। यह भारतीयों के लिये वैसे ही निराशाजनक रहा जिस प्रकार करीब दो–ढाई साल पहले अमेरिका ने भारत से डंकी रूट से गये लोगों की हथकड़ियां और कमर में जंजीरें बांधकर वायु सेना के जहाजों में गुलामों की तरह वापस भेज दिया था। इस मामले को लेकर देश भर में लोगों में दुख और उग्रता थी। भारत सरकार की ओर से विरोध में कोई बयान तक नहीं दिया गया। उल्टे विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर अमेरिका को इस कदम को यह कहकर तर्कसंगत बताया था कि हर देश के इमिग्रेशन सम्बन्धी कुछ नियम होते हैं। इस बातचीत के दौरान ऐसे कोई संकेत या साझा बयान देखने को नहीं मिल रहे हैं जो उन बिन्दुओं को स्पष्ट करे जिनका सम्बन्ध हाल के कुछ घटनाक्रमों से है। पाकिस्तान के साथ हुए ऑपरेशन को रोकने का श्रेय अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार सार्वजनिक रूप से ले चुके हैं। उन्होंने न जाने कितनी बार कहा कि उन्होंने मोदी को निर्देश देकर यह रुकवाया था। जबकि इधर भारत में मोदी और उनकी सरकार का दावा रहा है कि लड़ाई को खुद भारत ने रोका था। इसके अलावा लम्बे समय तक ट्रम्प द्वारा दोनों देशों के बीच टैरिफ–टैरिफ का खेल खेला गया था। जब भी ट्रम्प की मर्जी होती भारतीय वस्तुओं की अमेरिका में आपूर्ति और बिक्री पर टैरिफ बढ़ाये गये जिसने भारतीय बाजार को बहुत बुरी तरह से प्रभावित किया है। सरकार को इसके विपरीत अमेरिका से आने वाले सामान के लिये छूट को भी मानना पड़ा था। दिखाने के लिये कुछ बयान जरूर ट्रम्प ने जारी किये हैं। उसके अनुसार यदि भारत पर किसी देश ने आक्रमण किया तो अमेरिकी भारत के साथ खड़ा होगा। निश्चित रूप से यह काल्पनिक किस्म का बयान है। भारत पर सबसे ज्यादा पाकिस्तान के आक्रमण का खतरा रहता है लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद पड़ोसी मुल्क अनावश्यक ऐसी कार्रवाई नहीं करेगा क्योंकि अमेरिका–ईरान युद्ध को रुकवाने के लिये उसने जो भूमिका निभाई उसकी तारीफ हो हुई है। एक लम्बे अर्से के बाद पाकिस्तान झगड़ालू व आतंकी देश की छवि से बाहर निकल रहा है जिसे वह खोना नहीं चाहेगा। अब रहा चीन, तो उसे इसकी जरूरत कम से कम तत्काल में तो है नहीं।

सिकल सेल रोगः विश्व सिकल दिवस, सिकल सेल : समानता का हकदार

डॉ.ए.आर.दल्ला

प्रति वर्ष 19 जून को विश्व सिकल दिवस मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वर्ष 2026 के लिए एक थीम चर्चा का विषय दी है–ऋजीवन रक्षा की खाई को भरें सिकल सेल पर समानता सुनिश्चित करें। यह दिन जीवन के प्रबंधन की गुणवत्ता में सुधार लाने और बेहतर सुविधाओं की वकालत करने का एक वैश्विक अभियान भी है। पहले इसे सिर्फ अश्वेत अफ्रीकन (नीग्रो) लोगों का रोग माना जाता था। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से मालूम हुआ कि यह विकृति भारत, अरब, और मेडीटेरियन अफ्रीका के अन्य देशों में भी व्याप्त है। रोजी–रोटी की तलाश में जाने वाले प्रवासी अश्वेत नीग्रो के माध्यम से यह रोग अमेरिका और यूरोप के अन्य देशों में भी पहुंचा। यहां यह जानना जरूरी है कि विश्व के विकसित और विकासशील देशों में स्वास्थ्य सेवाओं के स्तर में बहुत अंतर है– इसमें आर्थिक संसाधनों की एक बड़ी कमी की समस्या भी सामने आती है। इसी संदर्भ में इस वर्ष 2026 में विश्व–स्वास्थ संगठन ने एक सामायिक थीम दी है–जीवन रक्षा की खाई को भरें। समानता सुनिश्चित करें। विश्व सिकल दिवस के अवसर विश्व समुदाय एकजुट होकर लाखों सिकल ग्रसित परिवारों को संबल प्रदान करता है–जो इस अनुवांशिक व्याधि से व्यथित है। संयुक्त राष्ट्र संगठन ने विशेष रूप से कहता है कि सभी प्रभावित देशों एवं पंजीकृत सेवा संस्थाओं को एकजुट होकर सिकल रोग पर जन–चेतना का प्रसार करना और इलाज का प्रयास करना होगा। हमें सब मिलकर अनुसंधान, नवाचार और आवश्यक वित्तीय सहायता को बढ़ावा देना होगा। भारतवर्ष में सिकल सेल–वर्ष 1952 तक भारतवर्ष में इस बीमारी पर जानकारी का अभाव था। समय के साथ ज्ञात हुआ कि भारत के कुछ प्रदेशों के आदिवासी पिछड़े और वंचित लोगों का एक बड़ा वर्ग इस अनुवांशिक व्याधि से प्रभावित है। यहां यह बतलाना आवश्यक है कि विकसित और विकासशील देशों में स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक बजट में एक बहुत बड़ा अन्तर है। हमें एकजुट होकर सिकल रोग से व्याधित व्यक्तियों के परिवारों को संबल और सहायता पहुंचाना है। जो इस वंशानुगत रक्त विकार के साथ जी रहे हैं। वर्ष 2026 का विश्व सिकल दिवस का दिन सिर्फ जनजागरण का दिन नहीं है बल्कि जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने और बेहतर सुविधाओं की वकालत के लिए एक वैश्विक अभियान भी है। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के साथ ही राज्य में सिकल सेल व्याधि पर संज्ञान लिया गया। छत्तीसगढ़ की विधानसभा में वर्ष 2008 को सर्वसम्मति से सिकल सेल विकृति पर नियंत्रण का संकल्प भी सर्वसम्मति से पास हुआ। रायपुर में सिकल सेल रोग पर एक अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस के आयोजन में विश्व का ध्यान आकर्षित करने का प्रस्ताव पारित कर भारत के महामहिम राष्ट्रपति को सौंपा गया। भारत में राष्ट्रीय स्तर पर सिकल कार्यों को प्रगति तब मिली जब भारत के आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसका संज्ञान लिया। विगत वर्ष सिकल सेल विकृति की रोकथाम के लिये श्मिशन मोड्य पर वृहत प्रयास का प्रारंभ करते हुये, आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने मध्यप्रदेश के शहडोल में एक विशेष शसिकल नियंत्रण केन्द्रय की स्थापना की। प्रारंभिक तौर पर यह भारतवर्ष के 17 प्रभावित राज्य के 275 जिलों के आदिवासी क्षेत्रों में सिकल रोग सर्वेक्षण रोकथाम एव जनजागरण का प्रयास मिशन मोड में करेगा। प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2047 तक सिकल सेल व्याधि के उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। आइए, हम सब मिलकर अनुसंधान, नवाचार, और आवश्यक वित्तीय सहायता को बढ़ावा देने का प्रयास करें ताकि प्रत्येक रोगी को वह गुणवत्ता पूर्ण देखभाल और उपचार मिल सके– जिसका वह हकदार है।

शोक का महीना मोहर्रम

मुहर्रम करबला में इमाम हुसैन सहित उनके घर वालों और साथियों के बलिदान की स्मृति का महीना और उन पर की गयी अति पर शोक व्यक्त करने के दिवस हैं,मुहर्रम पर्व या त्योहार नहीं है,न ही इस अवसर पर शुभकामना अथवा बधाई का कोई औचित्य है। मुहर्रम में की जाने वाली अज़ादारी करबला के मरुस्थल में निर्ममता पूर्वक मारे गये बहत्तर लोगों के प्रति संवेदना और शोक व्यक्त करने की एक मानवीय एवं सांस्कृतिक परम्परा है। अज़ादारी वास्तव में मानवीय भावना,संवेदन,विवेक,दायित्व,सत्य बोध,आत्म अवलोकन, संकल्प,साहस,शौर्य,मानवता, जन चिंतन,समाज निर्माण के भाव की जागृति का अभियान है।

इमाम हुसैन के विचार,उनकी स्मृति और उनसे संबंधित शोक के दर्शन ने जन विरोधी निरंकुश सत्ता की क्रूरता को समर्थन न करने का जो संदेश दिया उस जन जागृति को हुसैनियत कहते हैं। हुसैनियत की सीमा दीन धर्म, लिंग वर्ग,वर्ण जाति अथवा क्षेत्र तक सीमित न रह कर मानववादी, जनवादी और विश्व व्यापी है। नेल्सन मंडेला और महात्मा गांधी जैसे बहुत से दूसरे बड़े और विश्व स्तर पर प्रसिद्ध तथा महत्वपूर्ण व्यक्तियों ने भी हुसैनियत से साहस और मार्गदर्शन प्राप्त किया है।

सत्ताधारी तानाशाह यज़ीद बिन मुआविया बिन अबू सुफ़िना ने जब इस्लाम का प्रतिनिधि बनने के लिए इस्लाम के पूरक और अंतिम रसूल मुहम्मद साहिब के नाती और इस्लाम के ईश्वरीय प्रतिनिधि इमाम हुसैन से बल पूर्वक समर्थन प्राप्त चाहा तो इमाम हुसैन ने अपने घर परिवार वालों और समर्थकों सहित करबला में भूखे प्यासे रहते हुए रण भूमि में वीर गति को प्राप्त हो जाने का मार्ग चुना मगर यज़ीद को समर्थन दे कर उसे इस्लाम का प्रतिनिधि और मुसलमानों का अगुवा बना देना स्वीकार नहीं किया।

यदि इमाम हुसैन चाहते तो वह यज़ीद को समर्थन देकर और उसे इस्लाम का प्रतिनिधि मान कर स्वयं वैभवपूर्ण जीवन व्यतीत कर सकते थे परन्तु वह ऐसा करते तो उसका पहला कुप्रभाव यह होता कि इस्लाम इलाही दीन न रह कर शाही दीन हो जाता और फिर यज़ीद की तरह हर तानाशाह मुसलमानों का अगुवा और इस्लाम के प्रतिनिधि बन कर अपने राज्य की सीमा बढ़ाने हेतु अन्य राज्यों को रक्त रंजित तथा इस्लाम को अपमानित करता फिरता। दूसरा बुरा प्रभाव यह पड़ता कि फिर समस्त मुसलमानों में क्रूर तथा चरित्रहीन शासकों को ताना शाहों को इस्लामी प्रतिनिधि मानने की रीत निकल पड़ती और जन साधारण के पास उनके अवैध प्रतिनिधित्व को समर्थन न देने और उनके विरोध का कोई नियम एवं उदाहरण न होता,उनके विरोध की कोई रीति न होती,विरोध को धर्म के विरुद्ध माना जाने लगता।

इमाम हुसैन ने बलिदान दे कर करबला में इलाही इस्लाम और शाही इस्लाम के बीच ऐसी रेखा खींच दी कि अब एक व्यक्ति एक ही ओर रह सकता है। गले काटने वाले यज़ीदी और गले कटा देने वाले हुसैनी,यज़ीदी विचारधारा के समर्थक और हुसैनी की विचारधारा के समर्थक, शाही इस्लाम वाले और इलाही इस्लाम वाले अब आसानी से विश्व भर में पहचाने जा सकते हैं तो यह इमाम हुसैन के बलिदान का चमत्कार है।

इमाम हुसैन की अज़ादारी मुहर्रम से आरंभ हो कर दो महीने आठ दिन अपनी सांस्कृतिक रीति और सामाजिक नीति के साथ सारे संसार में होती है। भारत में जो अज़ादारी होती है वह अपने भारतीय कोण,सामाजिक प्रारूप और जन सहभागिता के साथ होती है तथा पूर्ण रूप से सांस्कृतिक मूल्यों पर स्थापित है। हर मज़हब दीन धर्म ज़ात बिरादरी के लोग मुहर्रम और अज़ादारी में न केवल सम्मिलित होते हैं बल्कि उसे स्थापित भी करते है। इमाम हुसैन, करबला, मुहर्रम और अज़ादारी के प्रभाव को भारतीय भाषाओं के साहित्य ने भी सहेजा। मुंशी प्रेमचंद ने करबला नामक नाटक रच कर करबला के बलिदानियों को हिंदी की ओर से साहित्यिक श्रद्धांजलि अर्पित की। मुहर्रम की अलग अलग तिथियों पर पढ़े जाने वाले अनगिनत नौहे जो यहाँ अज़ादारी के आवश्यक अंश और अभिन्न अंग बन गये हैं वह हिंदू शाइरों के लिखे हुए हैं। सनातनी शाइरा रूप कुमारी ष्कुंवरष् का लिखा हुआ मर्सिया जिसकी प्रस्तावना में भगवान श्रीकृष्ण जी का भी वर्णन है बड़े आदर और सम्मान के साथ मिंबरों से पढ़ा जाता है।

सोज़ ख़्वानी और नौहा ख़्वानी शोक गायन और भक्ति की श्रृंखला की गायकी है।सोज़ ख़्वानी में सुनीता झिंगरन तो आज का स्थापित नाम है मगर उनके अतिरिक्त भी बहुत सी हिंदू महिलायें सोज़ ख़्वानी करती हैं। सोज़ पहले उसी राग में पढ़ा जाता था जिसका प्रयोग वेद पाठ में होता है,वह राग भक्ति भाव से परिपूर्ण है,उस में गिटकिरी नहीं होती,राग रागिनी का सोज़ ख़्वानी में प्रयोग बाद में आरंभ हुआ। भारत में हिंदुओं के बहुत से अज़ा ख़ाने ष्शोक गृहष् हैं जहाँ मुहर्रम में मजलिसें होती हैं। सिखों में सरदार पंछी आदि जैसे लोग हैं जो बड़ी आस्था से साथ करबला से संबंधित सलाम मंक़बत लिखते और पढ़ते हैं। मुझे यह लिखने में कोई संकोच नहीं है बल्कि गर्व की अनुभूति हो रही है कि जैसी आस्था,जैसा प्रेम और आदर इमाम हुसैन को भारत में मिलता है वह अपने आप में एक अद्वितीय उदाहरण है।

–अनवार अब्बास नक़वी

फडणवीस के दांव से विपक्ष हक्का–बक्का

महाराष्ट्र में विधान परिषद के चुनाव में मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने ऐसी रणनीति अपनाई कि विपक्षी महा विकास अघाड़ी हक्का–बक्का रह गयी। महायुति ने 6 सीटें निर्विरोध जीत लीं। बाकी 11 सीटों पर क्रास वोटिंग की आशंका है। लगभग 4 साल पहले जब एकनाथ शिंदे ने शिवसेना से बगावत कर अपने गुट को

असली शिवसेना बताया था तब लम्बी कानूनी लड़ाई हुई थी। एकनाथ शिंदे की पार्टी को असली शिवसेना माना गया और भाजपा के साथ उसकी सरकार बनी थी। इसके बाद विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व में महाराष्ट्र में सरकार बनी और एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम बनाये गये। अब उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना (यूबीटी) में एक बार फिर सांसदों ने बगावत कर दी है। उद्धव ठाकरे ने इसे परखने के लिए ही अपने सांसदों की बैठक बुलाई थी जिसमें सिर्फ तीन लोकसभा सदस्य शामिल हुए। इस प्रकार यूबीटी के 9 सांसदों में 6 की अनुपस्थिति बगावत की पुष्टि कर रही है। बताया जा रहा है कि ये 6 सांसद आगामी 20 जून को डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे से मिलेंगे। अरअसल बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से संसद में अलग बैठने की लिखित मांग रखी है।

महाराष्ट्र विधान परिषद (एमएलसी) की 17 स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्रों की सीटों के लिए होने वाले चुनाव से पहले सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन करते हुए 6 सीटों पर निर्विरोध जीत दर्ज कर ली है। शेष 11 सीटों पर 18 जून को मतदान हुआ, मतगणना 22 जून को की जाएगी। चुनाव को लेकर राज्य के कई जिलों में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और क्रॉस वोटिंग की आशंका के बीच कथित होटल पॉलिटिक्स भी चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थानीय स्वराज्य संस्था मतदारसंघों से होने वाले इन चुनावों को आगामी स्थानीय निकाय और राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। महायुति में सीट बंटवारे के तहत भाजपा ने 11, शिवसेना ने 4 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने 2 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। महायुति ने जिन छह सीटों पर निर्विरोध विजय हासिल की है, उनमें भाजपा, शिवसेना और एनसीपी को दो–दो सीटें मिली हैं। भाजपा को वर्धा–गढ़चिरोली–चंद्रपुर अरुण लखानी अहिल्यानगर–प्राजक्त तनपुरे सीट मिली। शिवसेना को ठाणे–रवींद्र फाटक यवतमाल– दुष्यंत चतुर्वेदी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को रायगढ़–रत्नागिरी सिंधुदुर्ग अनिकेत तटकरे व पुणे–विक्रम काकड़े जीते। इन सभी उम्मीदवारों को संबंधित स्थानीय स्वराज्य संस्था निर्वाचन क्षेत्रों से महाराष्ट्र विधान परिषद का सदस्य निर्विरोध चुना गया है।

बाकी 11 सीटों पर सीधा मुकाबला हुआ। सोलापुर– राजेंद्र राऊत (भाजपा) बनाम वसंतराव देशमुख (राष्ट्रवादी कांग्रेस शरदचंद्र पवार)। जलगांव– नंदकिशोर महाजन (भाजपा) बनाम शरद तायडे (ठाकरे गुट) बनाम रेश्मा काले (बागी) सांगली–सातारा धैर्यशील कदम (भाजपा) बनाम अभयसिंह जगताप (राष्ट्रवादी कांग्रेस शरदचंद्र पवार) बनाम किशोर धुमाल (निर्दलीय) नांदेड़–अमर राजूरकर (भाजपा) बनाम रामदास पाटिल (कांग्रेस) नागपुर (उपचुनाव) डॉ. राजीव पोद्दार (भाजपा) बनाम अतुल लोंढे (कांग्रेस) भंडारा–गोंदिया–अविनाश ब्राह्मणकर (भाजपा) बनाम नरेश ईश्वरकर (कांग्रेस समर्थित) नासिक– नरेंद्र दराडे (शिवसेना) बनाम गोकुल गीते (निर्दलीय) अमरावती– प्रवीण पोटे (भाजपा) बनाम हर्षदीप देशमुख (कांग्रेस) बनाम निलेश विश्वकर्मा (वंचित बहुजन आघाडी) धाराशिव–लातूर–बीड़ बसवराज पाटिल (भाजपा) बनाम महेश देशमुख (कांग्रेस) परभणी–हिंगोली– सईद खान (शिवसेना) बनाम डॉ. विवेक नावंदर (ठाकरे गुट) बनाम सुशील देशमुख (निर्दलीय) के बीच मुकाबला रहा।

उधर शिवसेना उद्धव के अंदर राजनीतिक लड़ाई तब और तेज हो गई जब उद्धव ठाकरे गुट ने पार्टी की संसदीय बैठक में शामिल नहीं होने वाले छह बागी लोकसभा सांसदों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। वहीं दूसरी ओर, बागी नेताओं ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में अपने गुट के विलय की प्रक्रिया को औपचारिक रूप देना शुरू कर दिया है। उम्मीद है कि ये छह सांसद 20 जून को एकनाथ शिंदे से मिलेंगे। उस बैठक के बाद, वे स्पीकर के साथ हुई बातचीत और शिवसेना उद्धव (यूटीबी) छोड़ने के कारणों का ब्योरा देने वाले दस्तावेज सार्वजनिक कर सकते हैं। इससे शिवसेना के दोनों विरोधी गुटों के बीच राजनीतिक और कानूनी टकराव का एक नया दौर शुरू हो सकता है। संसदीय दल की इस बैठक को उद्धव गुट ने बहुत अहम बताया था, लेकिन इसमें सिर्फ चार सांसद ही शामिल हुए। बैठक में लोकसभा सांसद अरविंद सावंत, अनिल देसाई और राजाभाऊ वाजे के साथ–साथ राज्यसभा सांसद संजय राउत मौजूद थे। छह लोकसभा सांसदों के बैठक में नहीं आने के कारण अब पार्टी के भीतर उनके खिलाफ़ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में मौजूद नेताओं ने बागी नेताओं के खिलाफ कानूनी और संगठनात्मक विकल्पों पर चर्चा की। हालांकि, कानूनी जानकारों का कहना है कि संसदीय दल की आंतरिक बैठक में शामिल होना दलबदल विरोधी कानून के दायरे में नहीं आता है। दसवीं अनुसूची के तहत, व्हिप केवल सदन की कार्यवाही के दौरान ही लागू होता है, ना कि पार्टी की आंतरिक बैठकों के लिए। हालांकि पार्टी के भीतर अनुशासनात्मक कार्रवाई संभव है, लेकिन अयोग्यता अपने आप नहीं होती। सूत्रों के मुताबिक, सभी छह बागी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की है और एक पत्र सौंपा है। इस पत्र में कहा गया है कि शिवसेना उद्धव (यूटीबी) बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा से भटक गई है। खबरों के अनुसार, सांसदों ने स्पीकर को बताया कि वे एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो रहे हैं।

शिवसेना ठाकरे गुट के 6 बागी सांसद आने वाले दिनों में अपना अलग संसदीय गुट बना सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, परभणी के सांसद संजय जाधव को इस नए गुट का नेता बनाया जा सकता है। सांसद श्रीकांत शिंदे ने कुछ समय पहले ही इन सभी सांसदों से फोन पर फिर से बात की है। सांसदों ने श्रीकांत से कहा कि वे पिछले एक साल से उद्धव ठाकरे के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे थे, लेकिन इस पर कोई सुनवाई नहीं हो रही थी।

इससे पहले शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के 9 लोकसभा सदस्यों में से 6 संसदीय दल की बैठक में शामिल नहीं हुए जिससे पार्टी में विभाजन के संकेत स्पष्ट हो गए। शिवसेना (उबाठा) के सांसद अरविंद सावंत, अनिल देसाई और राजाभाऊ वाजे बैठक में शामिल हुए। पार्टी के एकमात्र राज्यसभा सदस्य संजय राउत भी बैठक में मौजूद थे। शेष 6 सांसदों की गैर मौजूदगी ने पार्टी के संसदीय दल में विभाजन की लगभग पुष्टि कर दी। बैठक में शामिल नहीं होने वाले सांसद नागेश आष्टीकर, संजय देशमुख, संजय जाधव, संजय दीना पाटिल, ओमप्रकाश राजेनिंबालकर और भाऊसाहेब वाकचौरे हैं। बैठक के बाद सावंत ने संवाददाताओं से कहा कि इन 6 सांसदों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। लोकसभा में शिवसेना के नेता सावंत ने कहा, "उनसे पूछा जाएगा कि व्हिप जारी किए जाने के बावजूद वे बैठक में शामिल क्यों नहीं हुए। उन्हें जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया जाएगा। यदि वे जवाब नहीं देते हैं तो हम उनकी सदस्यता रद्द किए जाने की मांग को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखेंगे। इधर, उद्धव ठाकरे के 6 बागी सांसदों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। महाराष्ट्र सरकार के इंटेलीजेंस कमिश्नर के आदेश पर इन सभी 6 सांसदों की सुरक्षा बढ़ाने का आदेश दिया गया है। (हिफी)

दिव्या दत्ता

सबसे अहम सीख फिल्म 'वीर–जारा' में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली

वेब सीरीज श्चिरैयाश को लेकर चर्चा में आईं दिव्या दत्ता ने कहा– क्टरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से पिक्चर साफ थी कि मुझे ऐक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। उन्होंने कहा– सबसे अहम सीख फिल्म वीर–जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली। कई कलाकार अपने किरदारों से पहचाने जाते हैं लेकिन दिव्या दत्ता उन चेहरों में से हैं, जो हर किरदार में खुद को थोड़ा–थोड़ा छोड़ती चली जाती हैं। लुधियाना की सादगी से लेकर सिनेमा की गहराइयों तक उनका सफर किसी शोर का नहीं बल्कि एक शांत भरोसे का रहा है, दिल की सुनने का भरोसा। उनके लिए अभिनय सिर्फ संवाद नहीं, खामोशियों को महसूस करने की कला है। फैसले हों या किरदार, वे आज भी उसी रास्ते पर चलती हैं, जहां दिमाग से पहले दिल जवाब देता है और शायद यही उन्हें अलग बनाता है। लखनऊ में शूट हुई वेब सीरीज श्चिरैयाश के लिए शहर आई दिव्या दत्ता से खास बातचीत।

दिल से बड़ा मेरा कोई साथी नहीं लुधियाना में पली–बढ़ी दिव्या दत्ता कहती हैं कि मैंने अपने घर से बहुत कुछ सीखा है लेकिन कई बातें वक्त के साथ समझ में आती हैं। फिल्मों और शोज को चुनते समय मैं सिर्फ दिल की सुनती हूं। मुझे लगता है कि जो काम मैं दिल से करूंगी, वही मुझे आगे बढ़ने का मौका देगा। मेरे फैसले पहले भी दिल से होते थे और आज भी वही तरीका है क्योंकि दिल से बड़ा कोई साथी नहीं होता है। यही वजह है कि डॉक्टरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से पिक्चर साफ थी कि मुझे ऐक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। मैं खुद को खुशकिस्मत भी मानती हूं कि मां ने मुझे अपनी पसंद चुनने की पूरी आजादी दी थी। माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो मैंने कई अनुभवी कलाकारों के साथ काम करते हुए बहुत कुछ सीखा है। हालांकि, मुझे सबसे अहम सीख फिल्म वीर–जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली। उस वक्त मुझे कैमरा एंगल्स का ज्यादा आइडिया नहीं था। उन्होंने खुद मुझे सही जगह पर खड़े होने में मदद की। वह इतने बड़े सुपरस्टार हैं, उन्हें क्या जरूरत थी मेरे लिए आगे आने की पर वो आए। उन्होंने यह भी कहा था कि मैं हर जगह मौजूद नहीं रहूंगा तो तुम्हें चीजें अपने हिसाब से बेहतर करनी होंगी। मुझे यह बात हमेशा याद रही। आज अगर मैं सीनियर हो गई हूं तो कोशिश करती हूं कि नए लोगों की जितनी मदद कर सकूं, करूं। सबसे जरूरी बात यही है कि सेट पर लोग एक–दूसरे के साथ कंफर्टेबल महसूस करें। काम तभी अच्छे से होता है, जब माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो। मुझे सबसे अहम सीख फिल्म वीर–जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली। उस वक्त मुझे कैमरा एंगल्स का ज्यादा आइडिया नहीं था। उन्होंने खुद मुझे सही जगह पर खड़े होने में मदद की। रोजमर्रा की खामोशियां और अभिनय ऐक्टिंग के दौरान किरदार की खामोशियों को पकड़ने के लिए किसी अलग एक्सरसाइज की जरूरत नहीं पड़ती है। खामोशियां अचानक सामने आ जाती हैं और अभिनेता खुद समझ जाता है कि यही सही पल है। यह सेट का एक तरह का जादू होता है। अब रही बात मेरे महेश के किरदार की तो मैं स्क्रिप्ट को इसका सबसे बड़ा आधार मानती हूं, जिसे दिव्य निधि शर्मा ने बेहद खूबसूरती से लिखा है। जब कलाकार खुद को छोड़कर किरदार बन जाता है तो उस किरदार की साइलेंस, चाहे वह आसपास की शांति हो या शोर अपने आप महसूस होने लगते हैं। उसी को निभाना अभिनेता का काम है। भीतर का शांत जागरण है चिरैया किसी लाउड विद्रोह की कहानी नहीं है बल्कि भीतर होने वाले एक शांत जागरण की बात करती है। हर दृश्य का अपना स्वभाव होता है। कभी कुछ कहना जरूरी होता है और कभी बिल्कुल शांत रहना। सब कुछ सीन के पूरे ढांचे पर निर्भर करता है। जैसे सीन की मांग होती है, वैसा ही भाव अपनाया जाता है। कहीं शब्द जरूरी होते हैं, कहीं खामोशी ही सबसे बड़ा संवाद बन जाती है। मुझे लगता है कि सवाल से ज्यादा जरूरी है उसे कहने का तरीका।बात किस शांति से, किस प्यार से और किस सम्मान के साथ कही जाती है, यही फर्क पैदा करता है। 'शादी कोई लाइसेंस नहीं है' जैसे संवाद सवाल जरूर उठाते हैं, लेकिन किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं बल्कि सोचने के लिए मजबूर करने के इरादे से।

नफरत के दौर में उम्मीद की आवाज बना एक नायक, बटवारा 1947 का टीजर रिलीज

बंटवारा 1947 इस साल की सबसे बेसब्री से इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। अपने शानदार मोशन पोस्टर और किरदारों के दमदार पोस्टर्स के रिलीज होने के बाद से ही, इस फिल्म ने हर तरफ लोगों का ध्यान खींचा है। यह एक ऐसी कहानी के लिए उत्सुकता बढ़ा रही है जो हिम्मत, बलिदान और कभी न टूटने वाले इंसानी जज्बे से जुड़ी है। अब, इसके दमदार टीजर के रिलीज होने के साथ ही, फिल्म को लेकर बना हुआ एक्साइटमेंट एक नए मुकाम पर पहुंच गया है। बंटवारा 1947 का यह दिलचस्प और इंटेंस टीजर दर्शकों को इतिहास के सबसे बड़े मोमेंट्स में से एक में ले जाता है, भारत की आजादी और वो दर्दनाक बंटवारा जिसने एक देश को बांट दिया और हमेशा के लिए करोड़ों जिंदगियों को बदल कर रख दिया। दमदार डायलॉग्स और दिल को छू लेने वाले इमोशनल बैकग्राउंड स्कोर से भरा यह टीजर इतिहास के सबसे उथल–पुथल भरे चौप्टर के दौरान उम्मीद और लचीलेपन के जज्बे को दिखाता है। हमारी इस कहानी के केंद्र में एक ऐसा हीरो है जो डर और नफरत से ऊपर उठकर असाधारण बहादुरी की मिसाल बनता है। बंटवारा 1947 में शबाना आजमी, सनी देओल, प्रीति जी जिंटा, करण देओल, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे शानदार कलाकारों की फौज है। यह फिल्म करीब तीन दशकों के बाद राजकुमार संतोषी और सनी देओल की बहुप्रतीक्षित (मोस्ट–अवेडेट) वापसी को भी दिखाती है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी बंटवारा 1947 को नेशनल अवार्ड विनर फिल्ममेकर राजकुमार संतोषी ने डायरेक्ट किया है। इसका म्यूजिक ए. आर. रहमान ने तैयार किया है, जबकि गाने जावेद अख्तर ने लिखे हैं। आमिर खान और अपर्णा पुरोहित द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म श्पार्टीशन डेश के मौके पर 14 अगस्त 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

'गैंगस्टर' देख कंगना के पैरेंट्स हुए थे नाराज

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट ने अपनी डेब्यू फिल्म गैंगस्टर को लेकर बताया कि यह फिल्म देखने के बाद उनके माता–पिता खुश नहीं थे और फिल्म के कुछ सीन्स को लेकर चिंतित थे। अपनी आगामी फिल्म भारत भाग्य विधाता के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस ने बताया, षौंगस्टर देखने के बाद मेरे पिताजी ने कोई प्रतिक्रिया ही नहीं दी। फिर मैंने माताजी से पूछा, मम्मी, आपको मेरी फिल्म कैसी लगी? तो उन्होंने कहा, नहीं, हमारे समाज में... तुम अभी बहुत छोटी थीं, अंडरएज भी थीं। तुमसे इस तरह के सीन करवा लिए गए।ष एक्ट्रेस ने कहा, "मैंने कहा, पूरी फिल्म में आपको वही सीन दिखे? सच कहूं तो मेरा दिल टूट गया था। मुझे बहुत बुरा लगा कि उन्होंने उस फिल्म को इस तरह देखा क्योंकि वे लोग सोच रहे थे कि समाज क्या सोचेगा, कि उनकी बेटी कैसी फिल्में कर रही है।" फिल्म गैंगस्टर में कंगना ने सिमरन नाम की महिला की मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म गैंगस्टर में कंगना ने सिमरन नाम की महिला की मुख्य भूमिका निभाई थी। कंगना ने कहा कि उसी समय उन्होंने फैसला कर लिया था कि वह अपनी फिल्मों को लेकर माता–पिता से किसी खास प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं करेंगी, क्योंकि उनका परिवार फिल्मी दुनिया से नहीं जुड़ा था। 'क्वीन' के लिए मिला था अमिताभ बच्चन का पत्र एक्ट्रेस ने बताया कि जब मुझे फिल्म श्क्वीनश के लिए अमिताभ बच्चन जी का एक खूबसूरत पत्र मिला, जिसमें उन्होंने मेरी परफॉर्मेंस की तारीफ की थी, तब मैंने सोचा कि जिस तरह अमिताभ बच्चन मेरे काम को समझ सकते हैं, मेरे पिताजी वैसा नहीं समझ सकते और इसके लिए मैं उनसे नाराज भी नहीं हो सकती, क्योंकि वह कलाकार नहीं हैं।

उनका अपना अलग काम है। नेशनल अवॉर्ड मिलने पर परिवार खुश हुआ कंगना ने यह भी बताया कि समय के साथ उनके माता–पिता की सोच बदली।

क्या राजनीति में कदम रखेंगी भूमि पेडनेकर?

भूमि पेडनेकर बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हैं. पिछले कुछ सालों में उन्होंने अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है. श्टॉयलेट– एक प्रेम कथाश, शुभ मंगल सावधान और श्सांड की आंखश जैसी फिल्मों में उन्होंने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता और इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई. अब भूमि ने हाल ही में अपने एक बयान से सियासी गलियारों में हलचल बढ़ा दी है. एक्ट्रेस ने कहा कि अगर उन्हें मौका मिलेगा तो वो जरूर राजनीति में कदम रखेंगी. मेरे खून में मेरी देश की सेवा है– भूमि पेडनेकर भूमि पेडनेकर ने हाल ही में छक्ज्ट मराठी श्मंचश द्वारा महाराष्ट्र में महिला सशक्तिकरण पर आयोजित एक कार्यक्रम में बात की. जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि क्या वो फ्यूचर में राजनीति में शामिल हो सकती हैं तो भूमि ने कहा, श्देखिए, मेरे खून में मेरी देश की सेवा है. अब वो जिस भी रूप में आए, मैं उसे अपनाना चाहूंगी. मैं जो अपनी कहानियों के जरिए कर रही हूं, वही करने की कोशिश कर रही हूं. अगर मुझे आगे मौका मिला कि मैं और ज्यादा गहराई से ये काम कर पाऊं, तो क्यों नहीं? श्मैं देश की सेवा करना चाहती हूंश उन्होंने आगे कहा, श्मेरी आइडियोलॉजी हमेशा बहुत सिंपल रही है. मैं अपने देश की जितनी हो सके उतनी सेवा करना चाहती हूं. यहां तक घ्कि मैं ऑफ–स्क्रीन जो काम करती हूं, वो भी इसी विश्वास से चलता है. मैं वही हूं. ये चाहे कोई भी रूप ले, मेरा इरादा वही रहता है.श भूमि पेडनेकर की अपकमिंग मूवी वर्क फ्रंट की बात करें तो भूमि पेडनेकर को आखिरी बार अमेजन प्राइम वीडियो की क्राइम थ्रिलर सीरीज श्दलदलश में देखा गया था. न्यूज 18 की रिपोर्ट के अनुसार, भूमि ने हाल ही में एक फिल्म साइन की है, जिसमें वो एक वकील की भूमिका निभाएंगी. फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है. फिलहाल इसकी रिलीज डेट अनाउंस नहीं हुई है. दिलचस्प बात ये है कि इससे पहले भूमि ने 2019 में आई फिल्म श्बालाश में एक वकील का रोल निभाया था.

घर का पिज्जा फीका लगता है? इसकी वजह आपका सॉस हो सकता है, जान लें रेसिपी

○ पिज्जा और पास्ता का असली स्वाद उसके सॉस में छिपा होता है। अगर आप भी घर पर बाजार जैसा स्वाद चाहते हैं, तो सॉस की यह आसान रेसिपी आपकी रसोई का नया पसंदीदा बन सकती है।

घर पर पिज्जा या पास्ता बनाते समय सबसे बड़ी चुनौती होती है बाजार जैसा स्वाद लाना। कई बार बेस तो अच्छा बन जाता है, लेकिन सॉस का स्वाद वैसा नहीं आ पाता, जैसा बाहर मिलने वाले खाने में होता है। असल में किसी भी पिज्जा या पास्ता की जान उसका सॉस होता है। यही वजह है कि एक अच्छा सॉस साधारण डिश को भी खास बना देता है। अच्छी बात यह है कि स्वादिष्ट सॉस बनाने के लिए आपको महंगे सामान की जरूरत नहीं है। रसोई में मौजूद कुछ आसान चीजों की मदद से आप ऐसा सॉस तैयार कर सकते हैं, जो ना सिर्फ पिज्जा और पास्ता बल्कि कई दूसरी चीजों का स्वाद भी बढ़ा देगा।

पिज्जा और पास्ता का असली हीरो है सॉस

अगर आपने कभी सोचा है कि बाहर मिलने वाला पिज्जा इतना स्वादिष्ट क्यों लगता है, तो उसका सबसे बड़ा राज सॉस है। सही मसालों और टमाटर का संतुलन किसी भी डिश का स्वाद कई गुना बढ़ा सकता है। एक बार घर पर यह सॉस बना लिया, तो बाजार वाला सॉस खरीदने का मन शायद ही करे।

सॉस बनाने के लिए क्या चाहिए?

5 से 6 टमाटर

5 से 6 लहसुन की कलियां

एक प्याज

नमक स्वादानुसार

चीनी

लाल मिर्च

अजवायन जैसी खुशबूदार जड़ी

काली मिर्च

तेल

सबसे पहले तैयार करें टमाटररू टमाटरों को गर्म पानी में कुछ मिनट के लिए डाल दें। अब उनका छिलका निकाल लें और टुकड़ों में काट लें। इससे सॉस ज्यादा मुलायम और स्वादिष्ट बनता है।

लहसुन और प्याज से बढ़ेगा स्वादरू एक पैन में थोड़ा तेल गर्म करें। अब इसमें बारीक कटा लहसुन और प्याज डालकर हल्का सुनहरा होने तक पकाएं। जैसे ही खुशबू आने लगे, समझ जाइए कि सॉस का स्वाद तैयार होने लगा है।

अब डालें टमाटर और मसालेरू पैन में कटे हुए टमाटर डालें और धीमी आंच पर पकने दें। अब इसमें नमक, चीनी, लाल मिर्च और काली मिर्च डाल दें। कुछ देर बाद खुशबूदार जड़ी डालें और मिश्रण को गाढ़ा होने तक पकाएं।

मुलायम सॉस के लिए करें यह कामरू जब मिश्रण ठंडा हो जाए, तो इसे पीस लें। अगर आपको बिल्कुल मुलायम सॉस पसंद है, तो इसे छान भी सकते हैं। अब इसे दोबारा कुछ मिनट तक पकाएं। आपका स्वादिष्ट सॉस तैयार है।

किन चीजों के साथ कर सकते हैं इस्तेमाल?

इस सॉस की खास बात यह है कि यह सिर्फ पिज्जा और पास्ता तक सीमित नहीं है, अन्य डिशेज में भी यूज कर सकते हैं।

सैंडविच : एक चम्मच सॉस सैंडविच का स्वाद बदल देगा।

रोल : रोल में लगाकर इसका स्वाद दोगुना हो जाएगा।

नाश्ते : कटलेट या स्नैक्स के साथ भी यह खूब टेस्टी लगता है।

लंबे समय तक कैसे रखें सुरक्षित?

सॉस को साफ और सूखी बोतल में भरकर फ्रिज में रखें।

हमेशा साफ चम्मच का इस्तेमाल करें, इससे सॉस ज्यादा समय तक सही रहता है।

बालों में तेल लगाना हर किसी के लिए जरूरी नहीं! जानें किसे करना चाहिए परहेज

○ आजकल कई लोग बालों में तेल लगाना पसंद नहीं करते। लेकिन क्या तेल ना लगाने से बालों पर कोई असर पड़ता है? आइए जानते हैं कि इस आदत का आपके बालों की सेहत पर क्या प्रभाव हो सकता है।

बचपन में शायद ही कोई ऐसा हो, जिसने छुट्टी वाले दिन बालों में तेल ना लगवाया हो। लेकिन समय बदलने के साथ लोगों की आदतें भी बदल गई हैं। आजकल कई लोग चिपचिपे बालों से बचने या समय की कमी के कारण तेल लगाना छोड़ देते हैं। वहीं, कुछ लोग मानते हैं कि तेल लगाने से बाल ज्यादा झड़ते हैं।

ऐसे में एक सवाल अक्सर लोगों के मन में आता है– क्या सच में बालों में तेल लगाना जरूरी है? और अगर हम लंबे समय तक तेल ना लगाएं, तो क्या होगा? इसका जवाब हर व्यक्ति के बालों और सिर की त्वचा पर निर्भर करता है। आइए जानते हैं कि तेल लगाने के क्या फायदे हैं, तेल ना लगाने से क्या असर पड़ सकता है और किन परिस्थितियों में बालों में तेल लगाने से बचना चाहिए।

अगर बालों में तेल नहीं लगाएंगे तो क्या होगा?

सच यह है कि तेल ना लगाना कोई बीमारी नहीं है। कई लोग बिना तेल लगाए भी स्वस्थ बाल रखते हैं। लेकिन अगर आपके बाल बहुत रूखे हैं तो तेल ना लगाने से कुछ समस्याएं बढ़ सकती हैं।

रूखे और बेजान बाल :रू तेल बालों में नमी बनाए रखने में मदद करता है। अगर आपके बाल पहले से ही रूखे हैं, तो लंबे समय तक तेल ना लगाने से वो और ज्यादा सूखे दिख सकते हैं।

बाल का उलझना और टूटनारू रूखे बाल जल्दी उलझते हैं और कंघी करते समय टूटते हैं। तेल बालों को पोषण देकर उन्हें मुलायम बनाता जिससे उनका झड़ना कम हो सकता है।

सिर की त्वचा में सूखापनरू कुछ लोगों के सिर की त्वचा बहुत सूखी होती है। ऐसे में तेल ना लगाने से खुजली या परत जैसी समस्या बढ़ सकती है।

हर किसी को तेल लगाना जरूरी नहीं!

तेल लगाना कोई नियम नहीं है, लेकिन यह बालों की देखभाल का एक पुराना तरीका जरूर है। यह बात जानना जरूरी है कि तेल हर व्यक्ति के लिए एक जैसा काम नहीं करता।

किन परिस्थितियों में बालों में तेल नहीं लगाना चाहिए?

ऑयली स्कैल्परू जिन लोगों की सिर की त्वचा पहले से बहुत ऑयली होती है, उनमें ज्यादा तेल लगाने से परेशानी बढ़ सकती है।

फंगल इंफेक्शनरू ऐसी स्थिति में तेल लगाने से समस्या बढ़ सकती है। पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर है।

अगर बहुत ज्यादा रूसी हैरू कुछ प्रकार की रूसी में तेल लगाने से स्थिति बिगड़ सकती है।

सिर पर दाने या जलनरू सिर पर दाने, लालिमा या जलन होने पर तेल लगाने से पहले विशेषज्ञ से सलाह लें।

कोई ट्रीटमेंट लिया है तोरू ज्यादातर हेयर ट्रीटमेंट्स के बाद ऑयल ना लगाने को कहा जाता है, ऐसे में सही जानकारी और समझ के साथ तेल लगाएं।

10 मिनट में बनकर तैयार हो जाएगी क्रंची कॉर्न सलाद, शाम के स्नैक्स के लिए है परफेक्ट

○ शाम की भूख को शांत करने के लिए क्रंची कॉर्न सलाद एक बेहतरीन स्नैक्स है। इसे 10 मिनट के अंदर बनाकर तैयार कर सकते हैं। स्वाद में अच्छी और सेहत के लिए बेहतरीन इस सलाद को बनाने का तरीका सीखें।

शाम के समय लगने वाली भूख में ज्यादातर लोगों को चटपटी चीजें खाने का मन करता है। ऐसे में गर्मियों के दिनों में कुछ ठंडा और टेस्टी खाना हो तो क्रंची कॉर्न सलाद बनाएं। ये स्वाद में काफी अच्छी लगती है और मिनटों में बनकर तैयार हो सकता है। इसमें आप अपने पसंद की सब्जियों को डाल सकते हैं। सीखिए क्रंची कॉर्न सलाद बनाने का तरीका।

क्रंची कॉर्न सलाद बनाने की सामग्री

–1 कप उबले हुए स्वीट कॉर्न

–1 छोटा चम्मच ऑलिव ऑयल

–आधा शिमला मिर्च बारीक कटी हुई

–आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर

–आधा छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर

–स्वादानुसार नमक

–1 छोटा प्याज बारीक कटा हुआ

–1 छोटा खीरा बारीक कटा हुआ

–1 छोटा टमाटर बारीक कटा हुआ

–1 छोटी मूली बारीक कटी हुई

–2–3 बड़े चम्मच मिंट योगर्ट डिप

–1–2 बड़े चम्मच भुनी हुई मूंगफली कुटी हुई

क्रंची कॉर्न सलाद बनाने की विधि

क्रंची कॉर्न सलाद बनाने के लिए मीडियम आंच पर एक पैन में ऑलिव ऑयल गरम करें। फिर उबले हुए कॉर्न और कटी हुई शिमला मिर्च डालें। लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च पाउडर और नमक छिड़कें। फिर बीच–बीच में चलाते हुए 5द्6 मिनट तक भूनें, जब तक कि शिमला मिर्च थोड़ी नरम न हो जाए और कॉर्न हल्के भुन न जाएं। फिर भुने हुए कॉर्न के मिक्स को एक बड़े मिक्सिंग बाउल में निकाल लें और थोड़ा ठंडा होने दें। फिर बाउल में कटा हुआ प्याज, खीरा, टमाटर और मूली डालें। मिंट योगर्ट डिप डालें और ध ीरे–धीरे मिलाएं ताकि सभी चीजों पर अच्छी तरह से कोट हो जाए। एक्स्ट्रा क्रंची टेक्सचर के लिए ऊपर से कुटी हुई भुनी मूंगफली छिड़कें। एक बार और हल्के से मिलाएं और तुरंत परोसें।

मिंट योगर्ट डिप बनाने का तरीका

इसे बनाने के लिए सबसे पहले पुदीना, हरा धनिया, हरी मिर्च और लहसुन को मिक्सी के जार में डालें। इसमें सिर्फ 1–2 चम्मच पानी या एक चम्मच दही डालकर एक चिकना पेस्ट बना लें। ध्यान रहे कि ज्यादा पानी न डालें, नहीं तो डिप पतली हो जाएगी। फिर एक मिक्सिंग बाउल में 1 कप गाढ़ा दही लें और उसे व्हिस्क से अच्छे से फेंट लें ताकि उसमें कोई गुठलियां न रहें। अब फेंटे हुए दही में पुदीने का तैयार किया हुआ पेस्ट मिला दें। इसी मिक्स में भुना जीरा पाउडर, चाट मसाला, काला नमक, सादा नमक और नींबू का रस डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह से मिला लें।टेस्टी मिंट योगर्ट डिप तैयार है। इस डिप को आप एयर टाइट कंटेनर में रकुछ दिन के लिए स्टोर कर सकते हैं।

ना क्रीम, ना मिल्क पाउडर! दूध में ब्रेड घोलकर बनाएं मार्केट जैसी मैंगो आइसक्रीम, नोट कर लें रेसिपी

○ गर्मियों के मौसम में ठंडी–ठंडी मैंगो आइसक्रीम खाना भला किसे नहीं पसंद। इसे आप घर पर भी आसानी से बना सकते हैं, बस थोड़े से दूध और ब्रेड के साथ। इससे सिंपल और टेस्टी रेसिपी शायद ही आपको कहीं मिलेगी इसलिए जरूर नोट कर लें।

गर्मियों के मौसम में दो ही चीजें ऐसी हैं, जिनका इंतजार हर किसी को रहता है। मीठा पका हुआ रसीला आम और ठंडी–ठंडी आइसक्रीम। जाहिर है ये दोनों साथ में मिल जाएं तो मजा दोगुना हो जाता है। जी हां, हम आम की आइसक्रीम की बात कर रहे हैं, जो बच्चों से ले कर बड़ों तक सभी की फेवरिट होती है। वैसे इसे आप घर पर भी बना सकते हैं, वो भी बिल्कुल आसानी से। आपको ना कोई मिल्क पाउडर, कंडेंस्ड मिल्क या कॉर्न फ्लोर चाहिए। बस आम, दूध, ब्रेड और चीनी से इतनी क्रीमी और टेस्टी मैंगो आइसक्रीम बनकर तैयार होती है कि एक आपको यकीन नहीं होगा कि ये घर पर बनी है। इस सिंपल सी रेसिपी से आप पूरी फैमिली के लिए ठंडी ठंडी आम की आइसक्रीम बनाकर तैयार कर सकते हैं। आइए तो फटाफट से इसकी रेसिपी जान लेते हैं।

घर पर बनाएं मार्केट जैसी क्रीमी मैंगो आइसक्रीम

घर पर बाजार जैसी गाढ़ी और मलाईदार आम की आइसक्रीम बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं– दूध (आध ा लीटर), वाइट ब्रेड स्लाइसेज (5–6), एक बड़े साइज का मीठा पका हुआ आम और स्वादानुसार चीनी।

ब्रेड और दूध से बनाएं आम की टेस्टी आइसक्रीम

घर पर मैंगो आइसक्रीम बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में दूध उबलने के लिए चढ़ाएं। कोशिश करें कि दूध थोड़ा गाढ़ा ही इस्तेमाल करें, इससे आइसक्रीम भी क्रीमी बनती है। अगर पैकेट वाला दूध ले रहे हैं, तो फुल क्रीम मिल्क इस्तेमाल कर सकते हैं। जब तक दूध गर्म हो रहा है, तब तक ब्रेड की स्लाइसेज लें और उनके ब्राउन किनारों को काट कर अलग निकाल दें। आप चाहें तो इन्हें इस्तेमाल भी कर सकते हैं, इन्हें सिर्फ इसलिए नहीं डाला जाता क्योंकि आइसक्रीम का रंग थोड़ा सा ब्राउन हो सकता है।

अब दूध में जैसे ही एक उबाल आ जाए, इन ब्रेड की स्लाइसेज को उसमें डालें और चलाते हुए पका लें। तब तक पकाएं, जब तक ब्रेड अच्छे से दूध में मिक्स नहीं हो जाता और एक गाढ़ा सा मिक्सचर बनकर तैयार नहीं हो जाता। अब इस मिक्सचर को ठंडा होने के लिए रख दें। तब तक आम को धो कर उसका गूदा एक बाउल में निकाल कर रख लें।

दूध ब्रेड वाला मिक्सचर जैसे ही ठंडा हो जाए, उसे एक मिक्सर में डालें। साथ में आम का गूदा और थोड़ी सी चीनी जरूरत के हिसाब से एड करें। इन्हें पीसकर एक गाढ़ा सा स्मूद पेस्ट बनाकर तैयार कर लें। आइसक्रीम का बेस रेडी है। इसे किसी कंटेनर में या कुल्फी मोल्ड में डालें और फ्रिजर में जमने के लिए रख दें। लगभग 6–7 घंटे या रातभर के लिए इसे फ्रिज में जमने दें, बिल्कुल गाढ़ी और क्रीमी मैंगो आइसक्रीम बनकर तैयार हो जाएगी।

ना कोई रोशनी ना कोई आवाज, फिर भी अलार्म से पहले क्यों खुल जाती है आंख?

सुबह समय से उठने के लिए ज्यादातर लोग अलार्म सेट करते हैं ताकी उनकी नींद समय से खुल जाए। कुछ लोगों के लिए यह एक आसान रूटीन है, तो वहीं कुछ लोगों के लिए ये सुबह का सबसे मुश्किल काम है। हालांकि, कई बार ऐसा होता है जब जल्दी उठने के लिए ढेरों अलार्म लगाए जाते हैं तब आंख समय सम पहले खुल जाती है। क्या आपको पता है ऐसा क्यों होता है? स्लीप मेडिसिन फिजिशियन डॉक्टर अविनाश जोशी ने एक पोस्ट में बताया है कि आखिर अलार्म बजने से पहले आंख क्यों खुल जाती है।

क्या है इसकी वजह

डॉक्टर कहते हैं कि आपके दिमाग में एक मास्टर क्लॉक होती है। हाइपोथैलेमस में लगभग 20,000 न्यूरॉन्स होते हैं जो लगभग 24 घंटे के इंटरनल टाइमर पर काम करते हैं। जब आप सोने का एक ही शेड्यूल बनाए रखते हैं, तो यह घड़ी आपके जागने का समय सीख जाती है और आपके उठने से 2 से 3 घंटे पहले ही आपके शरीर को तैयार करना शुरू कर देती है।

1 हफ्ते में काली गर्दन हो जाएगी बिल्कुल साफ! मसूर दाल में 4 चीजें मिलाकर रगड़ें, तुरंत दिखेगा फर्क

○ शरीर के कुछ हिस्से ऐसे होते हैं, जो मैल जमने के कारण काले दिखने लगते हैं। गर्दन पर गंदगी–पसीने के कारण अक्सर जिद्दी मैल जम जाती है, जो आसानी से नहीं जाती। अगर आपकी गर्दन भी काली दिखने लगी है, तो साफ करने के लिए एक पैक आजमाकर देख लीजिए।

शरीर के कुछ हिस्से ऐसे होते हैं, जो रोजाना नहाने के बाद भी काले दिखते हैं। इन हिस्सों पर पसीने या गंदगी के कारण मैल खूब जम जाती है। गर्दन में सबसे ज्यादा पसीना आता है और मैल जमने से कालापन भी दिखने लगता है। गर्दन शरीर का ऐसा हिस्सा होता है, जो काला दिखने लगे तो खराब लगता है। ऐसे में लोग कई तरह की टैनिंग रिमूव क्रीम और पैक लगाते हैं लेकिन जिद्दी मैल नहीं निकलती। ब्यूटीफुल यू टिप्स के इंस्टाग्राम पेज पर गर्दन की जमा मैल और कालापन हटाने के लिए असरदार तरीका बताया गया है। उनका कहना है कि इस पैक को लगाने से आपकी गर्दन का कालापन साफ हो जाएगा और हफ्तेभर में नेक क्लीन दिखने लगेगी। तो चलिए आपको गर्दन साफ करने का घरेलू और असरदार तरीका बताते हैं।

गर्दन साफ करने के लिए पैक कैसे बनाएं

इस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले मसूर दाल को पीसकर उसका बारीक पाउडर तैयार कर लें। अब एक बाउल में 1 चम्मच कॉफी पाउडर, 1 चम्मच चावल का आटा, 1 चम्मच नारियल तेल और आधे नींबू का रस डालें। इसके बाद इसमें तैयार किया हुआ मसूर दाल का पाउडर मिलाकर सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स करें, ताकि एक स्मूद और एकसार पैक तैयार हो जाए।

लगाने का तरीका

इस पैक को गर्दन के आगे और पीछे के हिस्से पर हल्के हाथों से रगड़ते हुए लगाएं और सूखने तक लगा रहने दें।

पैक सूख जाने के बाद नींबू का छिलका लेकर उससे धीरे–धीरे रगड़ते हुए पैक हटाएं। इसके बाद गर्दन को गीले कपड़े से साफ कर लें या पानी से ध ो लें।

कितनी बार लगाएं

आप हफ्तेभर हर दिन इस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप इसे रोजाना इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो एक बार में थोड़ा ज्यादा मात्रा में बनाकर भी रख सकते हैं।

संक्षिप्त

किसान क्रेडिट कार्ड योजना में किया संशोधन, फसल सीजन की परिभाषा की मानकीकृत

नई दिल्ली,एजेंसी। आरबीआई ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक खाणिज्यिक बैंक– किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना, निर्देश, 2026 अगले वर्ष जनवरी से लागू होंगे। केंद्रीय बैंक के अनुसार, इन निर्देशों का मकसद बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से केसीसी योजना के तहत कृषि और संबद्ध गतिविधियों में लगे उधारकर्ताओं को उनकी कार्यशील पूंजी और निवेश ऋण संबंधी जरूरतों के लिए पर्याप्त और समय पर ऋण सहायता उपलब्ध कराना है। इसके लिए सरल और मानकीकृत प्रक्रियाओं वाली समेकित सुविधा का ढांचा तैयार किया गया है। आरबीआई ने फसल सीजन की परिभाषा को आय मान्यता और परिसंपत्ति वर्गीकरण (आईआरएसी) मानदंडों के अनुरूप संशोधित किया है। नए निर्देशों के अनुसार, केसीसी योजना के तहत अल्पावधि फसलों के लिए फसल सीजन 12 महीने और दीर्घावधि फसलों के लिए 18 महीने मानकीकृत किया जाएगा। निर्देशों में कहा गया है कि फसल सीजन का अर्थ फसल की बुआई से लेकर उसकी कटाई और विपणन तक की अवधि है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि फरवरी में संशोधित किसान क्रेडिट कार्ड योजना के मसौदा निर्देशों पर आम जनता और संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे गए थे। हालांकि, बिना जमानत वाले ऋण की सीमा बढ़ाने के सुझाव को आरबीआई ने खारिज कर दिया। बैंक ने कहा कि दिसंबर 2024 में इस सीमा को हाल ही में बढ़ाया गया था और फिलहाल इसमें और वृद्धि का कोई प्रस्ताव नहीं है जमानत और मार्जिन संबंधी प्रावधानों पर आरबीआई ने कहा कि बैंक प्रति उधारकर्ता दो लाख रुपये तक के कृषि और संबद्ध गतिविधियों से जुड़े ऋणों पर जमानत और मार्जिन की शर्तों को माफ करेंगे। साथ ही, दो लाख रुपये तक की जमानत–मुक्त सीमा के भीतर कृषि ऋण के लिए स्वेच्छा से सोना या चांदी गिरवी रखने को कृषि क्षेत्र के लिए जमानत–मुक्त ऋण संबंधी दिशानिर्देशों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा। आरबीआई ने कहा कि दो लाख रुपये से अधिक के ऋणों के लिए बैंक अपनी ऋण नीति और समय–समय पर जारी आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुरूप जमानत और मार्जिन संबंधी आवश्यकताओं का निर्धारण करेंगे। नए मानदंडों के अनुसार, फसल या स्टॉक की हाइपोथिकेशन और वसूली के लिए टाई–अप व्यवस्था वाले केसीसी ऋणों में बैंक तीन लाख रुपये तक के ऋण पर जमानत की शर्त माफ कर सकते हैं। इसके अलावा, बैंकों को अपनी ऋण नीति के अनुसार फसल उत्पादन और संबद्ध गतिविधियों के लिए अल्पकालिक ऋण सीमाओं की समीक्षा और नवीनीकरण भी करना होगा।

अब अपनों की जमा–पूंजी के लिए नहीं काटने होंगे दफ्तरों के चक्कर, प्रक्रिया हुई आसान

नई दिल्ली,एजेंसी। शेयर बाजार नियामक सेबी ने निवेशकों के हित में एक बड़ा फैसला लिया है। अब किसी निवेशक की मृत्यु के बाद उसके कानूनी वारिस या नॉमिनी के लिए सिक्योरिटीज को अपने नाम ट्रांसफर कराना बेहद आसान हो जाएगा। इस कदम से क्लेम करने की प्रक्रिया तेज होगी। लोगों को दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। इसके साथ ही सेबी ने अपने बोर्ड सदस्यों के लिए एक नया कोड ऑफ कंडक्ट यानी आचार संहिता भी लागू किया है। सेबी ने अपनी बोर्ड बैठक में क्विक ट्रांसमिशन प्रोसेसिंग (क्यूटीपी) नाम से एक नई कैटेगरी बनाई है। यह व्यवस्था छोटे मूल्य के दावों के लिए होगी। इसके तहत फिजिकल सिक्योरिटीज के लिए 10,000 रुपये तक के दावों को तेजी से निपटाया जाएगा। वहीं डिमैटेरियलाइज्ड यानी डीमैट सिक्योरिटीज के लिए यह सीमा 30,000 रुपये तय की गई है। नियामक ने आसान डॉक्यूमेंटेशन के जरिए ट्रांसफर की सीमा को भी दोगुना कर दिया है। अब फिजिकल होल्डिंग के लिए यह सीमा प्रति लिस्टेड कंपनी 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई है। डीमैट होल्डिंग के लिए प्रति बेनिफिशियल ओनर अकाउंट इस सीमा को 15 लाख रुपये से बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दिया गया है। नियामक ने प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए कई बड़े बदलाव किए हैं। अब क्लेम के समय पैन (पीएएन) कार्ड जमा करने की अनिवार्यता को खत्म कर दिया गया है। सेबी का मानना है कि डीमैट खाता खोलते समय पैन का विवरण पहले से ही मौजूद होता है। उत्तराधिकार कानूनों में हाल के बदलावों को देखते हुए वसीयत की प्रोबेट हासिल करने की अनिवार्य शर्त को भी हटा दिया गया है।

अब दावेदारों को अलग–अलग शपथ पत्र और एनओसी देने की जरूरत नहीं होगी। इसकी जगह एक ही कंबाइंड एफिडेविट–कम–एनओसी जमा की जा सकती है। वेरिफिकेशन को आसान बनाने के लिए क्यूआर कोड वाले मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रतियां भी स्वीकार की जाएंगी। विदेश में जारी मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं या उनके सहयोगी विदेशी बैंकों के माध्यम से सत्यापन की व्यवस्था की गई है। इससे दावेदारों का खर्च और समय दोनों बचेगा। सेबी ने हितों के टकराव को रोकने के लिए अपने कर्मचारियों और बोर्ड सदस्यों के नियमों में संशोधन किया है। इसके लिए सेबी (कर्मचारी सेवा) विनियम, 2001 (ईएसआर) में सुधार को मंजूरी दी गई है। यह कदम एक उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी) की सिफारिशों के बाद उठाया गया है। इस समिति की सिफारिशों को सेबी बोर्ड ने 23 मार्च 2026 को हुई बैठक में कुछ संशोधनों के साथ मंजूरी दी थी। नया कोड ऑफ कंडक्ट और संशोधित नियम जल्द ही आधिकारिक गजट में प्रकाशन के बाद सेबी की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।

नीरज पदक से चूके, चौथे स्थान पर रहे, श्रीलंका के रुमेश पथिरागे बने चैंपियन

दोहा,एजेंसी। दोहा डायमंड लीग 2026 के पुरुष जेवलिन थ्रो फाइनल में श्रीलंका के रुमेश पथिरागे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 88.68 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ खिताब अपने नाम किया। पथिरागे ने चौथे प्रयास में यह दूरी हासिल की और इसके बाद कोई भी खिलाड़ी उन्हें पीछे नहीं छोड़ सका। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.38 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन ने 85.99 मीटर के थ्रो के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा की बात करें तो नौ महीने बाद प्रतिस्पर्धी एथलेटिक्स में वापसी कर रहे नीरज का प्रदर्शन मिला–जुला रहा। उन्होंने पहले प्रयास में फाउल किया, लेकिन दूसरे प्रयास में 82.77 मीटर और तीसरे प्रयास में 85.69 मीटर का शानदार थ्रो कर दमदार वापसी की। एक समय वह शीर्ष–3 में पहुंच गए थे, लेकिन पथिरागे के बेहतरीन प्रदर्शन और अन्य खिलाड़ियों की चुनौती के कारण नीरज चौथे स्थान पर खिसक गए। चौथे प्रयास में उन्होंने 83.45 मीटर का थ्रो किया, जबकि पांचवां प्रयास फाउल रहा। टॉप–3 से बाहर होने के कारण उन्हें छठे और अंतिम प्रयास का मौका नहीं मिला। कुल मिलाकर नीरज पदक से सिर्फ 30 सेंटीमीटर दूर रह गए और 85.69 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ चौथे स्थान पर प्रतियोगिता समाप्त की। वहीं रुमेश पथिरागे ने पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और 88.68 मीटर के थ्रो के दम पर दोहा डायमंड लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। दोहा डायमंड लीग में भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा का अभियान निराशाजनक अंदाज में समाप्त हो गया है। नीरज ने अपने पांचवें प्रयास में फाउल किया, जिसके बाद वह शीर्ष–3 में जगह नहीं बना सके। नियमों के अनुसार अंतिम यानी छठे राउंड में केवल शीर्ष तीन खिलाड़ी ही हिस्सा लेते हैं, ऐसे में नीरज का मुकाबला यहीं खत्म हो गया। तीसरे प्रयास में 85.69 मीटर का शानदार थ्रो करने के बावजूद नीरज पदक की दौड़ में जगह नहीं बना सके और फिलहाल चौथे स्थान पर हैं। अब उनकी अंतिम रैंकिंग इस बात पर निर्भर करेगी कि बाकी खिलाड़ी अपने बचे हुए प्रयासों में कैसा प्रदर्शन करते हैं। यदि कोई खिलाड़ी 85.69 मीटर से आगे निकलता है तो नीरज की स्थिति और नीचे खिसक सकती है। करीब नौ महीने बाद प्रतिस्पर्धी एथलेटिक्स में वापसी कर रहे नीरज से फैंस को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन दोहा में उनका पहला मुकाबला उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा।

दोहा डायमंड लीग के पुरुष जैवलिन थ्रो फाइनल में चौथे राउंड के बाद मुकाबला पूरी तरह रोमांचक हो गया है। श्रीलंका के रुमेश पथिरागे ने चौथे प्रयास में 88.68 मीटर का शानदार थ्रो कर सीधे पहला स्थान हासिल कर लिया है। इससे पहले तीसरे राउंड तक वह चौथे स्थान पर थे। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.38 मीटर के साथ दूसरे और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन 85.99 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर हैं। भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा चौथे प्रयास में 83.45 मीटर ही फेंक सके, जिसके चलते वह 85.69 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के बावजूद चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। नियम के अनुसार चार राउंड के बाद कोई खिलाड़ी बाहर नहीं होता। जैवलिन थ्रो में आमतौर पर तीसरे राउंड के बाद शीर्ष–8 खिलाड़ी आगे के तीन प्रयासों (4जी, 5जी और 6जी) के लिए क्वालिफाई करते हैं। यहां नौ खिलाड़ियों में से केवल मिस्र के मोहम्मद हुसैन अहमद सामेह बाहर हो गए हैं, जबकि बाकी आठ खिलाड़ी अंतिम दो राउंड में हिस्सा लेंगे। दोहा डायमंड लीग के पुरुष जेवलिन थ्रो फाइनल में तीसरे राउंड के बाद नीरज चोपड़ा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में जोरदार वापसी की है। भारतीय स्टार ने अपने तीसरे प्रयास में 85.69 मीटर का थ्रो किया और सीधे तीसरे स्थान पर पहुंच गए। पहले प्रयास में फाउल और दूसरे प्रयास में 82.77 मीटर थ्रो के बाद नीरज लगातार लय हासिल करते नजर आ रहे हैं। फिलहाल ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.38 मीटर के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं, जबकि अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन 85.99 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। नीरज अब शीर्ष दो में जगह बनाने से महज 30 सेंटीमीटर दूर हैं और अगले तीन प्रयासों में पदक की रंगत बदल सकते हैं। दोहा डायमंड लीग के पुरुष जेवलिन थ्रो फाइनल में दूसरे राउंड के बाद मुकाबला और रोमांचक हो गया है। पहले प्रयास में फाउल करने वाले नीरज चोपड़ा ने दूसरे प्रयास में दमदार वापसी करते हुए 82.77 मीटर का थ्रो किया और सीधे चौथे स्थान पर पहुंच गए। वहीं ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने 86.38 मीटर का थ्रो कर बढ़त हासिल कर ली है। पहले राउंड के लीडर कर्टिस थॉम्पसन 85.99 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। श्रीलंका के रुमेश पथिरागे ने भी दूसरे प्रयास में सुधार करते हुए 84.63 मीटर भाला फेंका और तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। नीरज अब शीर्ष तीन में जगह बनाने और पदक की दौड़ में मजबूती से लौटने की कोशिश करेंगे। दोहा डायमंड लीग के पुरुष जैवलिन थ्रो फाइनल में पहले राउंड का खेल पूरा हो गया है। भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा अपने पहले प्रयास में कोई वैध थ्रो दर्ज नहीं कर सके और उनका प्रयास नो मार्क रहा। पहले राउंड के बाद अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन 85.99 मीटर के शानदार थ्रो के साथ शीर्ष स्थान पर हैं। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 82.82 मीटर के साथ दूसरे और श्रीलंका के रुमेश पथिरागे 82.62 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। नीरज के प्रशंसकों की नजरें अब उनके दूसरे प्रयास पर होंगी, जहां वह दमदार वापसी कर रैंकिंग में ऊपर आने की कोशिश करेंगे।

28 वर्षीय नीरज चोपड़ा नए सीजन की शुरुआत जीत के साथ करना चाहेंगे। लंबे ब्रेक के बाद उनकी फिटनेस, लय और तकनीक पर सभी की नजरें रहेंगी। दोहा डायमंड लीग का यह मुकाबला आगामी बड़े टूर्नामेंटों से पहले नीरज के लिए अपनी तैयारियों को परखने का भी शानदार मौका होगा। नीरज के लिए राह आसान नहीं होगी। श्रीलंका के उभरते हुए स्टार जेवलिन थ्रोअर रुमेश पथिरागे इस प्रतियोगिता में उनके सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी माने जा रहे हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने कसा तंज, कोच ने बताया-कब मैदान पर दिखेगा यह फुटबॉलर

न्यूयॉर्क,एजेंसी। फीफा विश्वकप 2026 में ब्राजील को बड़ी राहत मिली है। स्टार फुटबॉलर नेमार स्कॉटलैंड के खिलाफ होने वाले ग्रुप–सी मुकाबले में वापसी के लिए तैयार हैं। कोच कार्लो एंसेलोटी ने उनकी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है। हालांकि उनकी चोट और शुरुआती दो मैचों में गैरमौजूदगी को लेकर बहस भी तेज हो गई है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने मजाक में कहा कि नेमार रिमोट वर्क करने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर हैं। इस बयान के बाद टीम चयन और नेमार की फिटनेस पर चर्चा और बढ़ गई है। फीफा विश्वकप 2026 में ब्राजील को आखिरकार वह खबर मिल गई है जिसका उसके प्रशंसक इंतजार कर रहे थे। स्टार फॉरवर्ड नेमार स्कॉटलैंड के खिलाफ होने वाले ग्रुप–सी मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे। ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने इसकी पुष्टि की है। हालांकि नेमार की वापसी की खबर के साथ उनकी फिटनेस और टीम में जगह को लेकर विवाद भी चर्चा में बना हुआ है। 34 वर्षीय नेमार पिंडली की चोट के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती दोनों मुकाबलों में नहीं खेल सके थे। उनकी गैरमौजूदगी में ब्राजील ने पहले मोरक्को के खिलाफ 1–1 से ड्रॉ खेला और फिर हैती को 3–0 से हराकर नॉकआउट की उम्मीदों को मजबूत किया। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने बताया कि नेमार अब रिकवरी के अंतिम चरण में हैं और स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे। एंसेलोटी ने कहा, नेमार शनिवार को अकेले और सोमवार को टीम के साथ ट्रेनिंग करेंगे। वह स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। विश्वकप टीम में शामिल होने के बाद से नेमार ने अभी तक टीम के साथ पूरा ट्रेनिंग सत्र नहीं किया है। वह मेडिकल स्टाफ की निगरानी में विशेष रिकवरी और रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम का पालन कर रहे हैं।

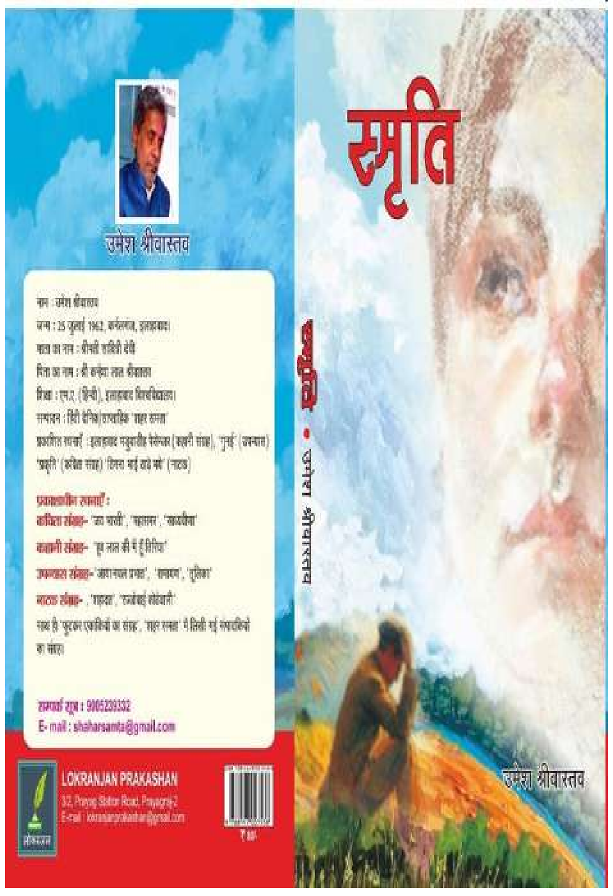

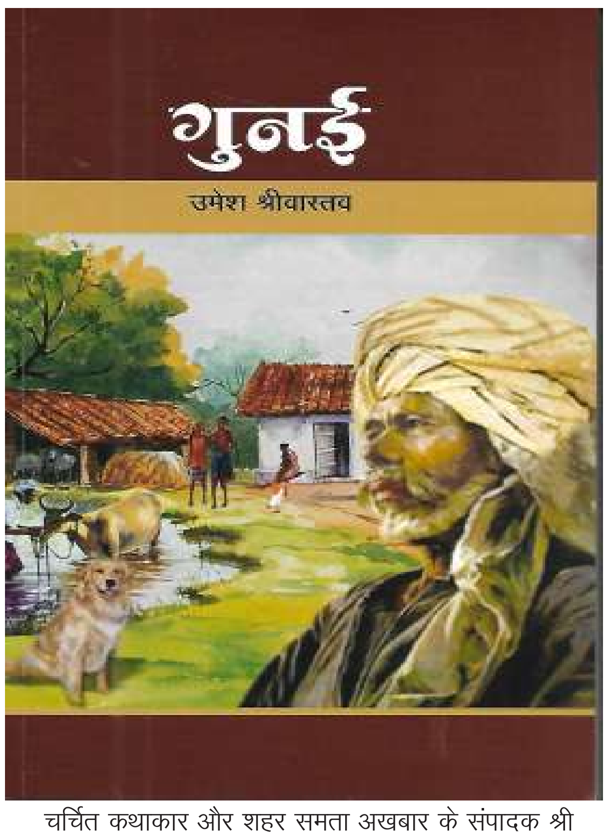

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

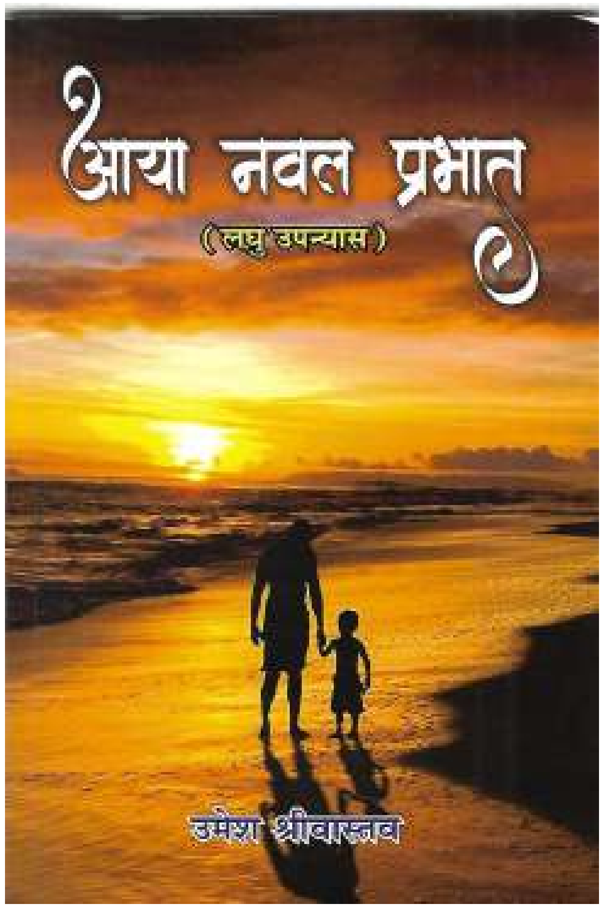

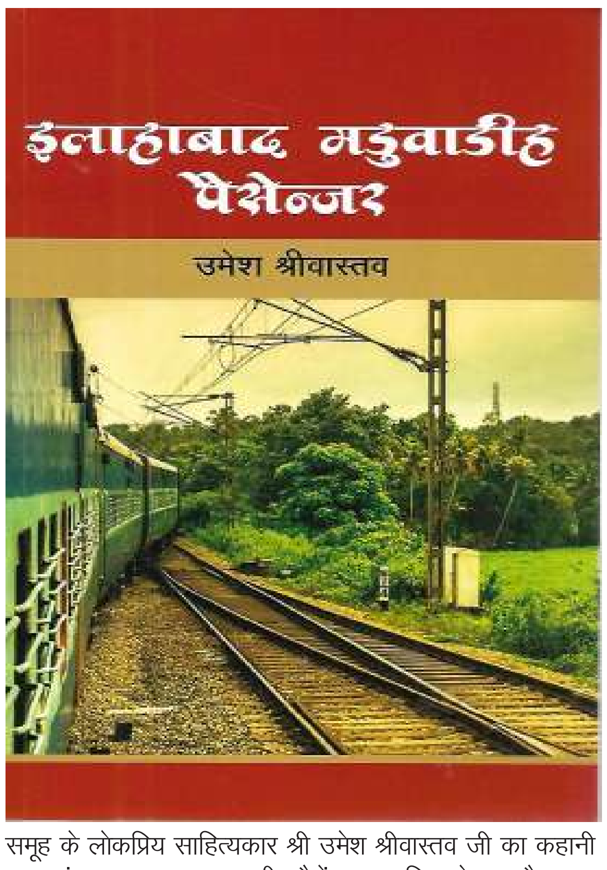

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

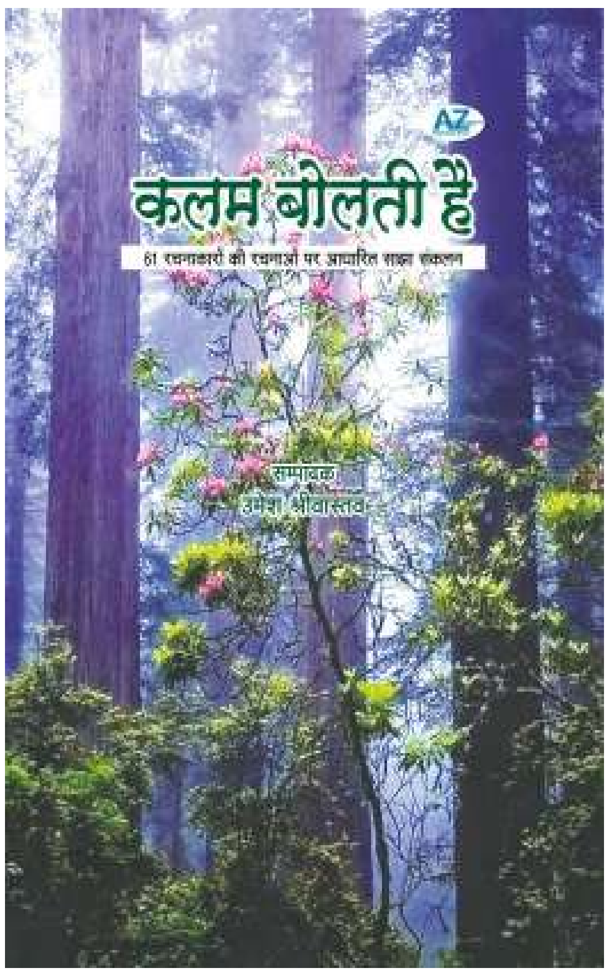

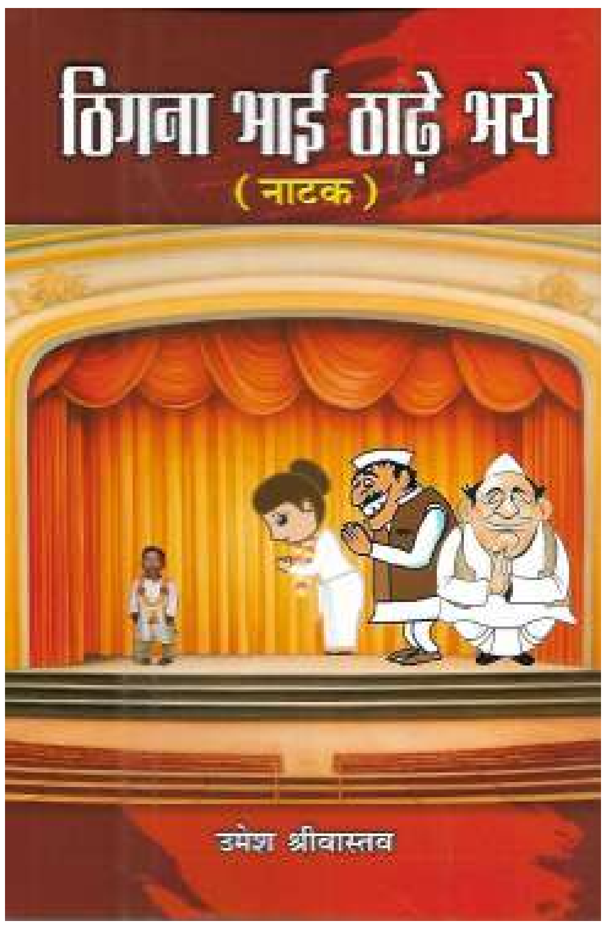

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

नेतन्याहू से दूरी बना रहे ट्रंप?: रुबियो ने लेबनान के राष्ट्रपति को दिया सुरक्षा का भरोसा, बोले- हम आपके साथ

वॉशिंगटन , एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका ने लेबनान को खुला समर्थन देकर नई कूटनीतिक चर्चा छेड़ दी है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन से फोन पर बातचीत कर देश की सुरक्षा, स्थिरता और संप्रभुता के प्रति वाशिंगटन की प्रतिबद्धता दोहराई।

यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब लेबनान इस्राइल की सैन्य कार्रवाइयों को रोकने की मांग कर रहा है। ऐसे में कुछ जानकार इसे ट्रंप प्रशासन की क्षेत्रीय रणनीति के अहम संकेत के रूप में देख रहे हैं, हालांकि अमेरिका ने सार्वजनिक रूप से इस्राइल से दूरी बनाने जैसी कोई बात नहीं कही है। लेबनान को लेकर अमेरिका ने क्या संदेश दिया? मार्को रुबियो ने राष्ट्रपति जोसेफ आउन से बातचीत में कहा कि अमेरिका लेबनान की सुरक्षा और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लेबनान सरकार का अधिकार देश के सभी हिस्सों में प्रभावी ढंग से स्थापित होना चाहिए। साथ ही अमेरिका ने लेबनान की सेना और अन्य वैध सुरक्षा संस्थाओं को अपना समर्थन जारी रखने का भरोसा भी दिया। यह संदेश ऐसे समय आया है जब लेबनान अपनी सीमाओं पर बढ़ते तनाव और सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। जोसेफ आउन ने अमेरिका के समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि लेबनान की धरती पर इस्राइली सैन्य कार्रवाई रुकनी चाहिए। उन्होंने व्यापक संघर्ष विराम को बेहद जरूरी बताया। आउन के मुताबिक, अगले सप्ताह वाशिंगटन में प्रस्तावित लेबनानी–अमेरिकी–इस्राइली वार्ता की सफलता के लिए पहले जमीन पर शांति कायम होना आवश्यक है। उनका कहना है कि संघर्ष विराम केवल अस्थायी राहत नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और भविष्य की बातचीत की बुनियाद है। वाशिंगटन में होने वाली वार्ता का मकसद क्या है? लेबनान, अमेरिका और इस्राइल के बीच प्रस्तावित वार्ता का उद्देश्य सुरक्षा से जुड़े लंबित मुद्दों का समाधान तलाशना है। राष्ट्रपति आउन ने कहा कि बातचीत का लक्ष्य लेबनान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना है। लेबनान चाहता है कि सभी पक्ष बातचीत के जरिए विवादों को सुलझाएं और सीमा क्षेत्रों में स्थायी शांति स्थापित हो। इसी वजह से लेबनान सरकार संघर्ष विराम को वार्ता की सबसे अहम शर्त मान रही है। इस्राइल–हिजबुल्ला संघर्ष विराम का क्या असर पड़ेगा? हाल ही में इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच फिर से संघर्ष विराम लागू हुआ है। यह समझौता क्षेत्र में तनाव कम करने की कोशिशों का हिस्सा माना जा रहा है। कूटनीतिक प्रयासों के बाद लागू हुए इस युद्धविराम से सीमा पर हालात सामान्य होने की उम्मीद बढ़ी है। यदि यह संघर्ष विराम लंबे समय तक कायम रहता है तो वाशिंगटन में होने वाली वार्ता को सकारात्मक माहौल मिल सकता है। फिलहाल अमेरिका, कतर और अन्य मध्यस्थ देश क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने और संवाद को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में पश्चिम एशिया की राजनीति पर पूरी दुनिया की नजर बनी रहेगी।

अमेरिका–ईरान वार्ता की तैयारी तेज: स्विट्जरलैंड में परमाणु समझौते पर हो सकती है बातचीत, स्टीव विटकॉफ रवाना

वॉशिंगटन, पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की नई उम्मीद दिखाई दे रही है। दोनों देशों के बीच हाल ही में हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद अब स्विट्जरलैंड में नई वार्ता की तैयारी तेज हो गई है। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ स्विट्जरलैंड रवाना हो चुके हैं, जहां दोनों देशों के बीच संभावित परमाणु समझौते को लेकर बातचीत हो सकती है। ऐसे समय में जब क्षेत्र में सैन्य तनाव कम करने की कोशिशें चल रही हैं, यह वार्ता पश्चिम एशिया की राजनीति और वैश्विक सुरक्षा के लिए काफी अहम मानी जा रही है। क्या स्विट्जरलैंड में शुरू होगी नई अमेरिका–ईरान वार्ता?

अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित वार्ता का पहला दौर स्विट्जरलैंड में होने की उम्मीद है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार और दामाद जेरेड कुशनर भी वार्ता से पहले स्विट्जरलैंड पहुंच चुके हैं। शुरुआत में बातचीत शुक्रवार से शुरू होनी थी, लेकिन लेबनान में इस्राइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी संघर्ष के कारण इसे टाल दिया गया। हालांकि बाद में दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम लागू होने के बाद बातचीत का रास्ता फिर खुलता दिखाई दे रहा है। फिलहाल वार्ता की नई तारीख का औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन कूटनीतिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। लेबनान का संघर्ष वार्ता पर इतना असर क्यों डाल रहा है?

ईरान ने साफ संकेत दिए हैं कि लेबनान की स्थिति उसके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी स्विट्जरलैंड जाने की तैयारी में हैं, लेकिन उनका दौरा क्षेत्रीय हालात पर निर्भर करेगा।

मध्यस्थ देशों के सूत्रों के अनुसार अराघची ने कई देशों के विदेश मंत्रियों से कहा है कि लेबनान में संघर्ष विराम की सफलता ही अमेरिका–ईरान वार्ता के भविष्य को तय करेगी। ईरानी अधिकारियों का मानना है कि जब तक संघर्ष विराम पूरी तरह स्थिर नहीं हो जाता, तब तक किसी बड़े कूटनीतिक कदम पर आगे बढ़ना मुश्किल होगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

भारत के खिलाफ सड़कों पर क्यों आए लोग ? भीड़ ने फूंका अमित शाह का पुतला, उच्चायोग पर हमले की कोशिश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। राजधानी ढाका में कट्टरपंथी संगठन जमात–ए–इस्लामी और उसके सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं ने भारत के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पुतला फूंका और भारतीय उच्चायोग की ओर मार्च निकालने की कोशिश की। हालांकि पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया। इस घटना ने भारत–बांग्लादेश संबंधों और बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। खास बात यह है कि शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से भारत विरोधी प्रदर्शनों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। भारत विरोधी प्रदर्शन की वजह क्या बताई जा रही है? जमात–ए–इस्लामी और उसके नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन ने भारत के खिलाफ नया अभियान शुरू किया है।

इस गठबंधन का दावा है कि भारत–बांग्लादेश सीमा पर कथित श्पुश–इनश और सीमा पर गोलीबारी की घटनाओं के विरोध में यह आंदोलन चलाया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पिछले कुछ महीनों में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिकों को जबरन सीमा पार धकेलने की कोशिश हुई है। इसके अलावा सीमा पर कथित गोलीबारी की घटनाओं को भी आंदोलन का प्रमुख मुद्दा बनाया गया है। इन्हीं आरोपों के आधार पर देशभर में विरोध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ढाका में प्रदर्शन के दौरान क्या हुआ? ढाका में श्बांग्लादेश आजाद पार्टीश के बैनर तले मशाल जुलूस निकाला गया। प्रदर्शनकारी भारतीय उच्चायोग की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन पुलिस ने गुलशन–1 इलाके में उन्हें रोक दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर बैठकर विरोध जताया और भारत विरोधी नारे लगाए। इसी दौरान अमित शाह का पुतला भी जलाया गया। विरोध प्रदर्शन में कई राजनीतिक और धार्मिक संगठनों के नेता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान भारत की कथित श्दादागीरीश और सीमा संबंधी मुद्दों को लेकर भाषण दिए गए। बांग्लादेश आजाद पार्टी क्या है और इसकी भूमिका क्या है? बांग्लादेश आजाद पार्टी एक नया राजनीतिक मंच है, जिसकी शुरुआत इसी वर्ष अप्रैल में की गई थी। पार्टी का घोषित उद्देश्य न्याय और निष्पक्षता पर आधारित व्यवस्था स्थापित करना और कथित भारतीय प्रभाव से मुक्त बांग्लादेश का निर्माण करना बताया गया है। हालिया विरोध प्रदर्शनों में इस संगठन ने प्रमुख भूमिका निभाई है। पार्टी के नेताओं ने कहा कि वे देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन जारी रखेंगे। इसी मंच के जरिए भारत विरोधी कार्यक्रमों को संगठित किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने भारत के खिलाफ कौन–कौन से आरोप लगाए? गठबंधन के नेताओं का दावा है कि पिछले 100 दिनों में सीमा पर हुई घटनाओं में कई बांग्लादेशी नागरिक प्रभावित हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत की सीमा सुरक्षा बल की कार्रवाई में लोगों की मौत और घायल होने की घटनाएं हुई हैं। साथ ही यह भी दावा किया गया कि हजारों लोगों को सीमा पार भेजने की कोशिश की गई। इन आरोपों के आधार पर देशभर में रैलियां, विरोध मार्च, सेमिनार और बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। हालांकि इन आरोपों को लेकर दोनों देशों के बीच कोई नया आधिकारिक विवाद सामने नहीं आया है। भारत–बांग्लादेश संबंधों पर इसका क्या असर पड़ सकता है? विशेषज्ञों का मानना है कि बांग्लादेश में बढ़ती भारत विरोधी राजनीति का असर दोनों देशों के संबंधों पर पड़ सकता है। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद कई राजनीतिक दल भारत विरोधी मुद्दों को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे समय में ढाका में भारतीय उच्चायोग की ओर मार्च और वरिष्ठ भारतीय नेता का पुतला जलाने जैसी घटनाएं कूटनीतिक दृष्टि से संवेदनशील मानी जा रही हैं। हालांकि पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को उच्चायोग तक पहुंचने से रोक दिया गया,

'मैं बॉस हूं' वाले बयान पर ट्रंप की सफाई, बोले- मजाक कर रहा था, दुनिया ने गंभीरता से ले लिया

वॉशिंगटन, एजेसी। जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान दुनिया के बड़े नेताओं के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक टिप्पणी अचानक वैश्विक चर्चा का विषय बन गई। सम्मेलन में प्रवेश करते समय ट्रंप ने मुस्कुराते हुए कहा था, श्मैं बॉस हूं।श यह बयान तेजी से सोशल मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मीडिया में वायरल हो गया। अब ट्रंप ने इस पर सफाई देते हुए कहा है कि उनका मकसद किसी पर रौब जमाना नहीं था, बल्कि वह सिर्फ मजाक कर रहे थे। ट्रंप का कहना है कि उनकी इस टिप्पणी को संदर्भ से अलग करके देखा गया और इसे जरूरत से ज्यादा गंभीरता से लिया गया।

ट्रंप ने श्मैं बॉस हूंश बयान पर क्या सफाई दी? एक इंटरव्यू के दौरान ट्रंप से जी7 सम्मेलन में दिए गए उनके बयान को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि वह केवल मजाक कर रहे थे और किसी भी नेता पर अपनी श्रेष्ठता दिखाने की कोशिश नहीं कर रहे थे। ट्रंप ने बताया कि जब वह बैठक कक्ष में पहुंचे तो वहां पहले से कई देशों के प्रमुख नेता बैठे हुए थे। उसी दौरान उन्होंने हल्के–फुल्के अंदाज में कहा, श्मैं बॉस हूं।श ट्रंप ने कहा कि यह एक मजाकिया टिप्पणी थी, लेकिन बाद में यह पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गई। उन्होंने कहा कि उन्हें हैरानी है कि एक सामान्य मजाक को इतना बड़ा मुद्दा बना दिया गया। जी7 सम्मेलन में उस समय क्या हुआ था?

ट्रंप ने यह टिप्पणी जी7 शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन सुबह की बैठक के दौरान की थी। जैसे ही वह बैठक कक्ष में पहुंचे, वहां मौजूद नेताओं के बीच हंसी का माहौल बन गया। ट्रंप की बात सुनकर कई नेता मुस्कुराने लगे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी इसे हल्के अंदाज में लिया और ट्रंप से पूछा, श्आप कैसे हैं?श इसके जवाब में ट्रंप ने कहा, श्मैं अच्छा हूं, धन्यवाद।श इस पूरे घटनाक्रम को सम्मेलन के अनौपचारिक और हल्के पल के रूप में देखा गया। ट्रंप ने इसे लेकर और क्या कहा?

ट्रंप ने कहा कि कमरे में मौजूद सभी नेता दुनिया की बड़ी हस्तियां और अपने–अपने देशों के प्रमुख थे। ऐसे माहौल में उन्होंने सिर्फ माहौल हल्का करने के लिए यह टिप्पणी की थी। उनके अनुसार, किसी भी व्यक्ति को यह नहीं समझना चाहिए कि वह वास्तव में खुद को बाकी नेताओं का बॉस बता रहे थे। ट्रंप ने कहा कि यह पूरी तरह हास्य का हिस्सा था। हालांकि, बयान वायरल होने के बाद इस पर दुनिया भर में तरह–तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं।

दिमाग का इस्तेमाल करें: ट्रंप की इस्राइल को सलाह, बोले- हिजबुल्ला के साथ युद्ध विराम के लिए किया मजबूर

वाशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच युद्धविराम की घोषणा के कुछ ही समय बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा कि उन्होंने लेबनान में

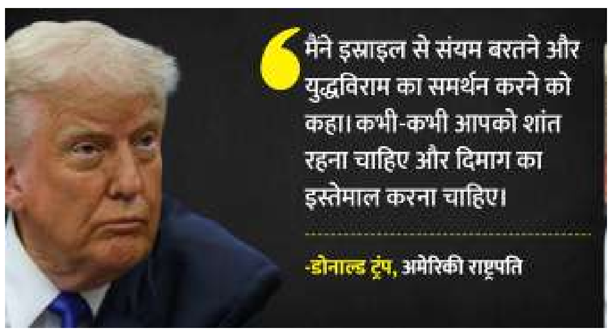

सक्रिय इस विद्रोही समूह के साथ संघर्ष रोकने के लिए इस्राइल से सहमति बनाने का आग्रह किया था। एनबीसी न्यूज को फोन पर दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दिन में पहले इस्राइल से संपर्क किया था और उसके नेतृत्व को युद्धविराम का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित किया। हालांकि, उन्होंने यह पुष्टि नहीं की कि क्या उन्होंने सीधे इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की थी। ट्रंप ने युद्धविराम को लेकर कहा कि यह एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने इसे श्एक तरह का अतिरिक्त लाभश बताया और पश्चिम एशिया में संघर्ष समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते का भी जिक्र किया। ट्रंप ने कहा कि यह समझौता 60 दिनों की अवधि के लिए तकनीकी वार्ताओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। ट्रंप ने नेतन्याहू के साथ अपने संबंधों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि वह हमेशा उनके साथ अच्छे संबंध रखते हैं। लेकिन कभी–कभी शांत रहना चाहिए और दिमाग का इस्तेमाल करना चाहिए। इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच नए युद्धविराम समझौते के बाद उनका यह बयान सामने आया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और कतर की मध्यस्थता से इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच युद्धविराम पर सहमति बनी है, जो स्थानीय समय के अनुसार सुबह नौ बजे से लागू हुआ। कुछ सूत्रों ने बताया कि इस समझौते में ईरान ने भी अमेरिका और दोहा के साथ मिलकर भूमिका निभाई। हालांकि, इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता ने कहा कि उनकी सेना हिजबुल्ला की ओर से उल्लंघनों के जवाब में शतत्काल खतरोंश को खत्म करना जारी रखेगी और नागरिकों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। इसी बीच, ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस स्विट्जरलैंड में ईरान के साथ होने वाली आगामी शांति वार्ता में भाग ले सकते हैं, जिसे पहले स्थगित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि स्टीव विटकॉफ अलग से शामिल होंगे। जेडी वेंस बाद में वार्ता में जुड़ सकते हैं।

स्विट्जरलैंड के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को पुष्टि की कि अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली प्रस्तावित वार्ता स्थगित कर दी गई है, लेकिन वह बातचीत कराने के लिए तैयार है। समझौते के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच 14 सूत्रीय समझौते में तुरंत और स्थायी सैन्य कार्रवाई रोकने की बात कही गई है। साथ ही 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते पर पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है।

पहले फॉर्म, फिर प्रवेश: होर्मुज से अमेरिकी नाकाबंदी हटते ही ईरान का नया फरमान, सिर्फ इन जहाजों की ही एंट्री

तेहरान, एजेंसी।दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान ने बड़ा बदलाव कर दिया है। अमेरिका और ईरान के बीच हुए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद अब कोई भी जहाज सीधे होर्मुज से नहीं गुजर सकेगा। ईरान ने नई अनुमति व्यवस्था लागू करते हुए कहा है कि केवल वही जहाज इस समुद्री मार्ग का इस्तेमाल कर पाएंगे जो पहले से आवेदन करेंगे और तय नियमों का पालन करेंगे। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने की कोशिशों के बाद समुद्री व्यापार को फिर से सामान्य बनाने की तैयारी चल रही है। चूंकि दुनिया के करीब पांचवें हिस्से का तेल और एलएनजी इसी मार्ग से गुजरता है, इसलिए ईरान के इस कदम को वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। क्या बदला है और अब जहाजों को क्या करना होगा? पहले होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए किसी विशेष अनुमति की जरूरत नहीं होती थी। जहाज अंतरराष्ट्रीय समुद्री नियमों के तहत इस रास्ते का इस्तेमाल करते थे। लेकिन अब ईरान ने पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए) नाम की नई संस्था बनाकर पूरी प्रक्रिया बदल दी है। अब हर जहाज को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन करने के बाद ही उसे आगे बढ़ने की अनुमति मिलेगी। यानी अब होर्मुज से गुजरने का रास्ता स्वतः खुला नहीं रहेगा, बल्कि अनुमति आधारित होगा। ईरान का कहना है कि इससे समुद्री सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत किया जा सकेगा। कौन–कौन से जहाजों को ही मिलेगी एंट्री?

ईरान के नए नियमों के अनुसार केवल वही जहाज होर्मुज से गुजर सकेंगे जो पीजीएसए के पास निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन करेंगे। जहाज को अपना नाम, झंडा, आईएमओ नंबर, कार्गो की जानकारी, मालिक का विवरण, बीमा संबंधी दस्तावेज और यात्रा का पूरा कार्यक्रम देना होगा। इसके अलावा जहाज पर मौजूद चालक दल की संख्या और उनकी राष्ट्रीयता तक की जानकारी मांगी जाएगी। यदि कोई जानकारी अधूरी पाई जाती है तो आवेदन लंबित रखा जा सकता है या खारिज भी किया जा सकता है। इसका मतलब है कि अब केवल नियमों का पालन करने वाले जहाजों को ही प्रवेश मिलेगा। 48 घंटे पहले आवेदन की शर्त क्यों लगाई गई? पीजीएसए ने स्पष्ट किया है कि जहाजों को होर्मुज क्षेत्र में पहुंचने से कम से कम 48 घंटे पहले आवेदन जमा करना होगा। एजेंसी का कहना है कि क्षेत्र में अभी भी सुरक्षा चुनौतियां मौजूद हैं। कुछ समुद्री इलाकों में युद्ध के प्रभाव और संभावित खतरे बने हुए हैं। ऐसे में प्रत्येक जहाज के लिए अलग मार्ग और समय तय करना जरूरी है। ईरान का दावा है कि इससे टकराव, दुर्घटना और सुरक्षा संबंधी जोखिम कम होंगे। आवेदन की समीक्षा के लिए भी एजेंसी को 48 घंटे तक का समय मिलेगा।

ट्रंप बोले- सख्त शख्सियत वाले महान नेता हैं पीएम मोदी, शहबाज-मुनीर की जोड़ी को लेकर क्या कहा?

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को महान नेता और बहुत मजबूत व्यक्तित्व वाला बताया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी 12 वर्षों से अधिक समय से सत्ता में हैं और बेहद मजबूती के साथ नेतृत्व कर रहे हैं। एक्सियोस को दिए साक्षात्कार में ट्रंप ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उन नेताओं में शामिल बताया, जिन्हें वह शक्ति, प्रभाव और फैसलों को लागू करने की क्षमता के लिहाज से सबसे अधिक पसंद करते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ष्मुझे लगता है कि पीएम मोदी बहुत अच्छे हैं। भारत ने हाल में काफी अच्छे आंकड़े पेश किए हैं। वह युद्धों से दूर रहते हैं, जो समझदारी है। भारत की आबादी 1.5 अरब है। वास्तव में भारत सबसे बड़ा है। और पीएम मोदी एक महान नेता हैं।ष उन्होंने कहा कि अमेरिका का भारत के साथ बड़ा व्यापारिक संबंध है। ट्रंप ने कहा कि पहले भारत अमेरिका का फायदा उठाता था, लेकिन अब दोनों देशों के बीच निष्पक्ष व्यापार हो रहा है। उन्होंने कहा, ष्हम भारत के साथ बहुत व्यापार करते हैं, लेकिन अब यह निष्पक्ष व्यापार है। पहले वे वास्तव में हमारा काफी फायदा उठाते थे। मैं इसके लिए उन्हें दोष नहीं देता। हमारे पास ऐसे राजनेता थे जिन्होंने ऐसा होने दिया। लेकिन अब हम उनके साथ काफी व्यापार कर रहे हैं।ष ट्रंप ने कहा, ष्वे इससे बहुत खुश नहीं हैं, क्योंकि पहले उन्हें ज्यादा फायदा होता था। फिर भी मोदी शानदार हैं।ष अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भी तारीफ करते हुए उन्हें प्रभावशाली और आत्मविश्वास से भरपूर नेता बताया। उन्होंने कहा, ष्अगर आप इन दोनों में से किसी पर फिल्म बनाना चाहें, तो हॉलीवुड में आपको उनके जैसा व्यक्ति नहीं मिलेगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।